डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 > अंक : 36 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

साप्ताहिक समाचार पत्र

website: www.hsnews.in

जयपुर, मंगलवार, 07 मार्च 2023

होली व भाईदूज की हार्दिक शुभकामनाएं

गोपालपुरा बायपास के स्पेशल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट व अवैध निर्माणों पर लग चुकी है गत माह जनहित याचिका। इसके बावजूद वहाँ आवासीय भूखंडों पर लगातार हो रहे हैं व्यवसायिक अवैध निर्माण?

राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश की उड़ा रहे धज्जियाँ

जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम जयपुर!

आख़िर किसकी शैय पर हो रहा राजधानी में अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों का गुंडाराज?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए और नगर निगम को पाबंद किया है कि- **'जेडीए और नगर निगम आवासीय इलाकों में व्यवसायिक गतिविधियाँ चिन्हित कर रोकने की कार्यवाही करें।'**

सीजे पंकज मित्तल व जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश दीपक कुमार शर्मा व अन्य की पीआईएल यानि जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए गत माह दिया लेकिन राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश व फैसले तो अब मम्मी के रोटी के कोर जैसे हो गए हैं कि जिससे बच्चों की तरह जेडीए और नगर निगम हमेशा भागते रहते हैं या नज़रंदाज़ करते रहते हैं। कोई ख़ौफ़ नहीं रह गया है आज न्यायपालिका के आदेशों और दिए गए फैसलों का,नगर निगम व जेडीए में।

मनीराम जी की कोठी सहित 143 अवैध भवनों को ध्वस्त करने का आदेश हो या सुप्रीम कोर्ट के सार्वजनिक पार्कों के संरक्षण व अवैध निर्माणों को रोकने व ध्वस्त करने के मामले हों। जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम सरकार की शैय पर सर्वेसर्वा हो गए हैं।

आवासीय भूखण्डों व कॉलोनियों में व्यावसायिकरण दीमक की तरह फैल रहा है। दोनों नगर निगम की मेयर, आयुक्त, सभी जोनों के उपायुक्त या तो इस अवैध निर्माण के भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या निष्क्रिय हैं विधायकों व पार्षदों के आदेश पर । निर्माण शाखा, सतर्कता, प्रवर्तन अधिकारी व कर्मचारी अपनी-अपनी रोटी पका रहे हैं। इस संबंध में हाईकोर्ट के किसी भी तरह के आदेशों को लगातार नजरअंदाज़ किया जा रहा है।

जेडीए के प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी 'पिक एंड चूज़' की नीति पर काम कर रहे हैं जिसने उनकी मांग की पूर्ति कर दी उसकी अवैध बिल्डिंग जेडीए की आँखों से ओझल हो गयी या अगर सीज हो भी गयी और फिर पूर्ति हुई तो उसको सीजर के बाद भी अवैध निर्माण करने का लाइसेंस मिल रहा है। सरकार की संलिप्तता यूँ नज़र आती है कि यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल कोई कार्यवाही नहीं कर रहे इन अवैध निर्माणों व अतिक्रमणकारियों पर।

विनाश काले विपरीत बुध्दि में गिरती सरकार अपना भविष्य गड्ढे में निश्चित कर रही है कि वो भी राजस्थान से ओझल हो जाएगी क्योंकि जनता सब देख,सुन व समझ रही है। जनता भोग रही है परिणाम अपने ग़लत निर्णय के।

शासन-प्रशासन की भूमिका पर भ्रष्टाचार व मिलीभगत को लेकर लगातार उठ रहीं उंगलियाँ!

नगर निगम हैरीटेज, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

रवि जैन आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

महेन्द्र सोनी आयुक्त नगर निगम ग्रेटर ,जयपुर

विश्राम मीणा, आयुक्त नगर निगम हैरीटेज, जयपुर

मुनेश गुर्जर, महापौर, नगर निगम हैरीटेज, जयपुर

शांति धारीवाल, यूडीएच मंत्री, राजस्थान सरकार

सौम्या गुर्जर, महापौर, नगर निगम ग्रेटर,जयपुर

मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी जयपुर विकास प्राधिकरण

● कुछ दिन पूर्व जेडीए के गोपाल नगर-ए, जोन-5, भूखंड संख्या-7, त्रिवेणी नगर पुलिया के पास आवासीय भूखण्ड पर व्यवसायिक, ज़ीरो सेटबैक अवैध निर्माण की स्थिति

पहले...

● कुछ दिन बाद इसी जेडीए के गोपाल नगर-ए, जोन-5 ,भूखंड संख्या-7,त्रिवेणी नगर पुलिया के पास आवासीय भूखण्ड पर व्यवसायिक, ज़ीरो सेटबैक अवैध निर्माण की स्थिति।

अब...

हाइकोर्ट के आदेशों पर जमती धूल अवैध निर्माणों की

इसी तरह एक मामला है जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-5 का जिसमें भूखंड संख्या-7,गोपाल नगर-ए त्रिवेणी नगर पुलिया के पास बिना अनुमति व सैटबेक के बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करते हुए आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक निर्माण तेजी से हो रहा है। जबकि गत माह गोपालपुरा बायपास के स्पेशल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट में व्यवसायिक पट्टा वितरण पर पीआईएल लग चुकी है फिर यहाँ आवासीय में व्यवसायिक अवैध निर्माण करने वाले किस आशा से यह अवैध निर्माण कर रहे हैं। स्पेशल डवलेपमेंट प्रोजेक्ट पर पीआईएल के निस्तारण से यदि रोक लग गयी तो ये सारे अवैध निर्माण अधिगम कोचिंग संस्थान की तरह ध्वस्त होंगे ही! साथ ही पुनः स्मरण हो कि हाईकोर्ट ने कुछ दिवस पूर्व जयपुर विकास प्राधिकरण व नगर निगम क्षेत्र में हो रहे आवासीय भूखण्डों पर व्यावसायिक निर्माणों को चिन्हित कर कार्यवाही करने के आदेश भी दिये हैं।

इस पर भी पुनः एक बार हाईकोर्ट के संज्ञान में उसके फैसलों पर हो रही लापरवाही को लाया जाएगा ताकि हाइकोर्ट के अस्तित्व पर कोई सवाल न खड़े हों सकें और जनता का न्यायपालिका पर विश्वास बना रहे।

ख़बर-बेख़बर

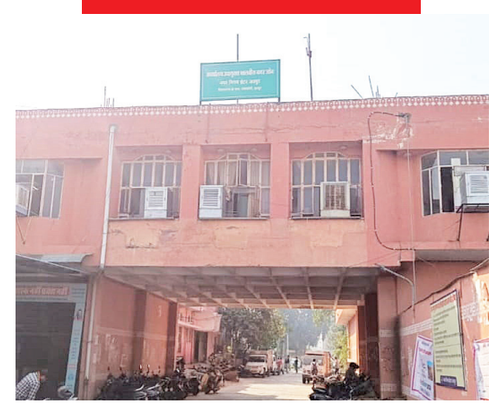

उपायुक्त महेश मान को किस बात का है अभिमान

मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर में उपायुक्त महेश मान की देखरेख में बढ़ रहे अवैध निर्माण

उपायुक्त महेश मान जवाब दें-

प्लॉट नंबर 3 व 4 मूर्तिकला कॉलोनी, गोपालपुरा बायपास पर ललिता पैलेस का यह बहुमंजिला अवैध निर्माण, बिल्डिंग बायलॉज को परे रखकर कैसे पूरा हो गया?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। उपायुक्त महेश मान के पास इन सवालों के जवाब हैं लेकिन जवाबों को लकवा मार गया है किस मुँह से जवाब देंगे-

■ मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर के उपायुक्त महेश मान आख़िर किस शैय पर लगातार अवैध निर्माणों को देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं?

■ महेश मान को कोई ख़ौफ़ नहीं राजस्थान हाईकोर्ट के आदेशों का?

■ आख़िर नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर व आयुक्त महेंद्र सोनी कड़ी कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे उपायुक्त महेश मान की मनमानी व भ्रष्टाचार पर?

■ आख़िर मालवीय नगर विधानसभा के विधायक कालीचरण सर्राफ़ को यह अवैध निर्माण नज़र क्यों नहीं आ रहे?

■ आख़िर क्या वजह है कि यूडीएच मंत्री शांति धारिवाल अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों पर कोई कड़ी कार्यवाही या सख़्त क़दम नहीं उठा रहे?

■ कहीं बिल्डरों और व्यापारियों से शासन और प्रशासन की आर्थिक स्थिति को तो मजबूती मिलती है इसीलिए तो कार्यवाहियाँ निष्क्रिय तो नहीं हो जातीं?

■ क्यों अवैध निर्माण करने वाले बिल्डर और व्यापारी यह कहते नज़र आते हैं कि सरकार और प्रशासन को हम जेब में रखते हैं?

मिलीभगत का एक ही सिद्धान्त

- माँग पूरी न हो तो सील की कार्यवाही
- पूरी हो जाये तो सील खोलने का काम तेज़ी से
- और मिलीभगत हो तो सील करने का काम कभी नहीं?

■ आख़िर क्यों अवैध निर्माणों पर सख़्त कार्यवाही नहीं होतीं?

आज के डिजिटल दौर में जनता सब जानती बुझती समझती है। बस अब उसे एक अवसर की देर है कि तख्तापलट करने में देर नहीं करेगी।

इधर मालवीय नगर जोन उपायुक्त महेश मान के बिल्डर्स व व्यापारियों से बहुत अच्छे संबंध बन गए हैं 34 सालों से एक ही शहर जयपुर में पोस्टिंग रहने से तो वे हर तरह से रिश्ते निभा रहे हैं। राजधानी जयपुर में जमे महेश मान एड़ी चोटी का ज़ोर लगाकर अपना भविष्य सुरक्षित कर रहे हैं। मिलीभगत करके अवैध निर्माणों से आँखें मूंदकर वो रमता जोगी बन गए हैं। उन्हें मान-सम्मान से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता क्योंकि अभिमान उनके सर चढ़कर बोल रहा है। बाक़ी बाज़ार में उनकी क्या इमेज खड़ी हो रही है उन्हें सब अंदाज़ा है लेकिन भ्रष्टाचार ने निर्लज्जता को पूरी तरह ओढ़ लिया है।

जयपुर विकास प्राधिकरण की कार्यशैली निरन्तर संदिग्ध!

आम आदमी को ग़ालियाँ और अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों के लिए ग़लियाँ निकालना जेडीए और नगर निगम की पहचान बन गया है

हिलव्यू समाचार

जयपुर । जेडीए आम आदमी को राहत नहीं देता बल्कि अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों व व्यापारियों के लिए राहत की गलियाँ निकाल देता है स्पेशल डवलपमेन्ट प्रोजेक्ट लाकर। यह दोहरी नीति निगम और जेडीए की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े करती है। जेडीए के ऐसे कई मामले हैं जिनमें से एक है कि गैर- अनुमोदित योजना में भूखंड संख्या 41, शांति नगर, गोविंद नगर, आगरा रोड, राजेश मोटर्स के पीछे के धारक रामेश्वर शर्मा पुत्र मनीष शर्मा द्वारा बिना जयपुर विकास प्राधिकरण की अनुमति व स्वीकृति के अवैध निर्माण किया जा रहा है। पीड़ित बिहारीलाल बैरवा पुत्र लल्लू लाल बैरवा है जो कि प्लॉट संख्या 41 बी का मालिक है। भूंखड़ संख्या 41 आवासीय में व्यवसायिक निर्माण तो कर ही रहा है क्योंकि पाँच मंजिला अवैध बिल्डिंग बना रहा हैं उसी के साथ-साथ उसके इस अवैध निर्माण से बिहारीलाल के घर में कई बार रामेश्वर के मकान का कभी मटेरियल,कभी पानी,कभीं कोई सामान गिरता रहता है। रोके जाने पर रामेश्वर शर्मा पुत्र मनीष शर्मा द्वारा मारपीट और धमकियाँ मिल रही हैं। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन अधिकारी को 09.02.2023 को शिक़ायत दर्ज़ की गई जिसकी प्राप्ति संख्या सी/आरएन/181 है। इसके अतिरिक्त न्यूज़ पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज की गई। आख़िर कैसे और किसकी मिलीभगत से जयपुर विकास प्राधिकरण की अनुमति के बिना 82 वर्गगज के भूखंड पर पाँच मंजिला इमारत का अवैध निर्माण किया जा रहा है गौरतलब बात है कि उक्त भूखंड 20 फीट की रोड पर स्थित है जिस पर 4 फीट का छज्जा निकाल लिया गया है जबकि 20 फीट की रोड पर कोई भी छज्जा नहीं निकाला जा सकता। जेडीए प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी को लगातार शिकायतें दी गईं है उसके बाद भी अवैध निर्माण निरन्तर चल रहा है और तो और

राजस्थान संपर्क एक औपचारिक पोर्टल सुविधा है जहाँ किसी भी आम आदमी की समस्या का समाधान आज तक नहीं हुआ बस मैसेज मैसेज खेलना इस पोर्टल का काम है

प्लॉट न. 41 व 41 बी शांतिनगर गृ. नि.स.स.की योजना गोविंद नगर, आगरा रोड़ राजेश मोटर्स के पीछे,जयपुर। प्लॉट न . 41 का अवैध निर्माण और मनमानी प्लॉट न.41 बी के लिए सरदर्द व जानलेवा हो रहा साबित। प्लॉट न.41 बी पर प्लॉट 41 से बरसती ईंटें और तराई का पानी।

मालवीय नगर व आदर्श नगर के अवैध निर्माण के लिए उपायुक्तों व शासन-प्रशासन को लिखे पत्र पेज नं. 4 व 5 पर

दख़ल

वैश्विक हिंदी की ओर बढ़ते क़दम

भारतभूमि से 18 हजार किमी दूर फिजी देश की राजभाषा हिंदी होने का विचार हमें हमारी हिंदी के प्रति जहां श्रद्धानवत बना दे रहा है वहीं गौरवान्वित भी कर देता है। निश्चित ही फिजी में हुआ हिंदी का यह अनुष्ठान हिंदी को उसकी वैश्विक पहचान स्थापित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। अब तक के सभी सम्मेलनों में फिजी के हिंदी विद्वानों की भूमिका सदैव ही जीवंत, उल्लेखनीय व स्मरणीय रही है।

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल
अंग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन
पै निज भाषा-ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन
भारतेंदु हरिश्चंद्र

विश्व हिंदी सम्मेलन, फिजी की चर्चा प्रारंभ करने से पूर्व एक व्यथा या विवाद की चर्चा करते हैं। तथ्य यह है कि विश्व के अनेकों शैक्षणिक, सर्वेक्षण व अध्ययन संस्थानों ने यह माना है विश्व भर में लगभग 150 करोड़ लोगों की भाषा होने से हिंदी विश्व की सर्वाधिक अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गई है। व्यथा या विवाद इसलिए क्योंकि संयुक्त राष्ट्र संघ अब भी विश्व में सर्वाधिक अधिक बोली जाने वाली भाषा में सबसे ऊपर क्रमशः चीनी व अरबी को रखता है। अर्थात, संयुक्त राष्ट्र भाषा हिंदी को अब भी तीसरे स्थान पर रखता है। वस्तुतः इस भाषाई राजनीति के पीछे संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में हिंदी को सम्मिलित न होने देने का षड़यंत्र रहा है। स्पष्ट है कि हिंदी को वैश्विक मंच पर उसका स्थान दिलाने में अब तक हमारी भूमिका कुछ दुर्बल ही रही है।

पिछले दिनों भारत से 18 हजार किमी दूर सुदूर आस्ट्रेलिया महाद्वीप के एक सुंदर से देश फिजी में 12वां विश्व हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। प्रशांत महासागर की विशाल किंतु दिलचोर लहरों के शोर की संगीतिका में यह सुनना बड़ा ही मधुर लगता है कि फिजी की आधिकारिक भाषा हिंदी है। इस गौरवभाव संग 15-17 फरवरी 2023 को आयोजित यह हिंदी सम्मेलन वैश्विक विस्तार, वैज्ञानिक वितान व संभावनापूर्ण विहान के साथ संपन्न हुआ। कोस-कोस पर बदले पानी और चार कोस पर वाणी ये कहावत भारत की स्थिति का सटीक और समूचा विवरण दे देती है। भारतीय भाषाएं, बोलियां और लिपियां सैंकड़ों की संख्या में हैं किंतु समस्त भारतीय भाषाओं की जननी तो संस्कृत ही है और संस्कृत की सबसे प्रिय और लाडली संतान हिंदी ही है।

हिंदी ही हमारे राष्ट्र की घोषित राजभाषा है, और चिर प्रतीक्षित राष्ट्र भाषा भी। सैकड़ों बोलियों और भाषाओं वाले देश भारत में हिंदी का स्थान अद्वितीय इसलिए भी माना जाता है क्योंकि इसी भाषा ने हमारे राष्ट्र का राष्ट्रत्व अक्षुण्ण रखा है। हिंदी ने ही हमारे देश की विविधता को एकता की माला में पिरोकर रखा हुआ है। भारत की स्वतंत्रता के अमृतकाल में स्वाभाविक ही है कि हम यह स्मरण करें की किस प्रकार हिंदी ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को बल और गति प्रदान की थी। फिजी का 12 वां विश्व हिंदी सम्मेलन संयोगवश स्वतंत्रता के अमृत काल में आयोजित हुआ। भारत का फिजी का प्रत्यक्ष सम्बंध रहा है। फिजी भी अंगेजों का गुलाम देश रहा है। वर्ष 1879 में अंग्रेज फिजी में चीनी उद्योग के विस्तार हेतु भारत से हजारों की संख्या में भारतीयों को गिरमिटिया मजदूरों के रूप में फिजी ले गए थे। कालान्तर में गिरमिटिया श्रमिक के रूप में फिजी ले जाए गए ये भारतवंशी वहीं बस गए। तबके हजारों की संख्या में गए भारतवंशी अब फिजी देश की जनसंख्या का 38त्न भाग बन गए हैं।

14 मई को फिजी में 'गिरमिट स्मरण दिवस' मनाया जाता है। यही वह दिवस है जब तीन मार्च 1879 को कोलकाता से 'लेवनीडास' नामक जहाज से भारतीय गिरमिटिया मजदूर प्रथम बार फिजी पहुंचे थे। इसके बाद सतत 37 वर्षों तक 42 जहाजों के माध्यम से 60 हजार से अधिक भारतीयों को फिजी भेजा गया था। डरा, धमकाकर, हाथ पैर बांधकर, विवश करके जिन भारतीय मजदूरों को अंग्रेजों ने फिजी भेजा था वे मजदूर दो पीढ़ियों तक जबरन निरक्षर रखे गए थे। गिरमिटियों ने वाचिक परंपरा के माध्यम से अर्थात मात्र बोल सुनकर ही अपनी भाषा, बोली, नृत्य, गीत, भक्ति गीत, परंपरा, पहनावा, त्यौहार, पूजा पद्धति, आदि को जीवित रखा था। भारत की संस्कृति से फिजी को समृद्ध करने वाले गिरमिटियों ने अपमान और यातना को भूलकर फिजी के स्वाधीनता संग्राम में भाग लिया था। भारतीय मूल के हजारों वीरों द्वारा किये गए संघर्ष के बाद अंततः 10 अक्टूबर 1970 को विजयादशमी के दिन फिजी स्वतंत्र हुआ। 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का ध्येय वाक्य हिंदी-पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेघा तक है।

अब इस ध्येय वाक्य पर आगामी तीन वर्षों तक हिंदी का विकास मार्ग निर्धारित किया गया है। हिंदी में सतत श्रेष्ठ, शास्त्रीय, लोकप्रिय, जनसुलभ व अकादमिक साहित्य का सृजन तो होता ही रहे साथ ही हिंदी का वैज्ञानिकीकरण भी तीव्र गति से होना चाहिए। हिंदी को ज्ञान प्राप्ति के साथ साथ वैश्विक भाषा का रूप देने के लक्ष्य पर यह समूचा सम्मेलन केंद्रित था। हिंदी लोगों की आजीविका का माध्यम बने यह भी लक्ष्य है। सम्मेलन के अंतस में यह है कि हिंदी वैश्विक व्यापार, व्यवसाय की भाषा बनना चाहिए। फिजी के हिंदी सम्मेलन के मुखड़े पर ही यह घोषणा झलक रही थी कि आगामी वर्षों में हिंदी विश्व के वाणिज्यिक संस्थानों में स्वीकार की जाने योग्य भाषा बन सके। हिंदी भाषी व्यक्ति स्वरोजगार के, कामकाज के, नौकरियों के अवसर किस प्रकार अधिकाधिक प्राप्त कर सके यह विमर्श सम्मेलन की मुख्य धारा में बना रहा। हिंदी का वैज्ञानिकीकरण अधिकतम हो, विभिन्न इलेक्ट्रानिक उपकरणों में हिंदी के लेखन, पठन, अनुवाद आदि की सहज उपलब्धता हो इस हेतु भी यह सम्मेलन कृतसंकल्पित है।

हिंदी-पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेघा तक ध्येयवाक्य को समर्पित यह सम्मेलन हिंदी के तरह-तरह के प्रशिक्षण एप, अनुवाद एप, सुनकर लिखने के एप, शब्दकोष एप आदि आदि सॉफ्टवेयर विकसित करने के लक्ष्य के साथ अब तीन वर्षों तक इसी लीक पर आगे बढ़ता रहेगा। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में हुए दस सत्रों में समूचे विषय आगामी समय में हिंदी के चहुंमुखी विकास की एक नूतन गाथा लिखेंगे। इस सम्मेलन की अगुवाई कर रहे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अरुण मिश्र पूरे तीन दिन सम्मेलन में उपस्थित रहकर इस आयोजन को सफल बनाने हेतु कृतसंकल्पित दिखे। विदेश मंत्री ने फिजी के राष्ट्रपति विलियम कैटोनिवरे का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह से उन पर हिंदी फिल्मों का असर पड़ा। जयशंकर ने कहा, फिजी के राष्ट्रपति कैटोनिवरे ने बताया कि हिंदी फिल्मों ने गहरा प्रभाव छोड़ा है। उनकी पसंदीदा फिल्म शोले है। एस. जयशंकर ने आगे कहा, फिजी के राष्ट्रपति हमेशा इस गाने को याद रखते हैं कि ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे...।

इस भाव का ही परिणाम रहा की फिजी सरकार ने यह घोषणा की कि वहां पर हिंदी के साथ तमिल और अन्य भारतीय भाषाओं में शिक्षा प्रारंभ की जाएगी। इस अवसर पर फिजी की राजधानी सुआ में सरदार पटेल की मूर्ति का अनावरण भी किया गया। इस अवसर पर फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद ने भावपूर्ण होकर कहा कि आज जब मैं अपने पूर्वजों के विषय में सोचता हूं तो ख्याल आता है कि वे अपने साथ रामायण, गीता तो नहीं लाए थे, लेकिन अपने साथ वह अपनी संस्कृति अवश्य लाए थे। बिमान प्रसाद ने फिजी की सरकार के हिंदी सम्बंधित संकल्पों को प्रकट किया। 1975 से नागपुर से प्रारंभ हुई विश्व हिंदी सम्मेलन की परंपरा प्रत्येक तीन वर्षों में आयोजित होते चले आ रही है। अब तक के सभी सम्मेलनों में फिजी के हिंदी विद्वानों की भूमिका सदैव ही जीवंत, उल्लेखनीय व स्मरणीय रही है।

प्रवीण गुगनानी
(राजभाषा सलाहकार, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार)

राज-विचार

महिला वोटों पर भाजपा का दांव

लाडली बहना योजना के जरिए भाजपा ने महिला वोटों पर बड़ा दांव खेला है। भाजपा जानती है कि प्रदेश में सत्ता का रास्ता आधी आबादी ही तय करती है। यही वजह है कि भाजपा के साथ कांग्रेस भी अपने वचन पत्र को महिलाओं पर ही फोकस कर रही है।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिन के मौके पर नई शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की शुरुआत कर सरकार ने चुनाव से पहले महिलाओं को अपनी तरफ करने का बड़ा दांव खेला है। इस योजना के जरिए महिलाओं को 1000 रुपए हर महीने दिए जाएंगे। प्रदेश में 5 करोड़ 39 लाख 87 हजार 876 वोटर हैं। इनमें दो करोड़ 60 लाख 23 हजार 733 महिला वोटर हैं। महिला वोटर्स में केवल उन्हीं महिलाओं को इस योजना का फायदा मिलेगा, जिनके परिवार की वार्षिक आय ढाई लाख रुपए से कम है या जिनके पास पांच एकड़ से कम जमीन है। 23 से 60 साल की उम्र के बीच की विवाहित, तलाकशुदा, विधवा, परित्यक्ता महिलाएं इस योजना में पात्र होंगी। महिला बाल विकास विभाग ने 2023-24 के बजट में लाडली बहना योजना के लिए 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। पांच साल में योजना में 61,890.84 करोड़ के खर्च का आकलन किया गया है।

मध्य प्रदेश में साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए भाजपा ने अपनी रणनीति लगभग तैयार कर ली है और उसे लेकर धरातल पर काम भी शुरू हो गया है। भाजपा गुजरात वाली रणनीति पर मध्यप्रदेश में भी चांस लेने के मूड में है। पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि इस समय मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर की सुगबुगाहट सुनने में आ रही है। इसके लिए पार्टी को दो मोर्चो पर काम करना है। पहला अंदरूनी कलह को दूर करना और दूसरा बड़े वोट बैंक के बीच जुड़ाव बढ़ाने का काम। इसके लिए सिर्फ भाजपा ही नहीं कांग्रेस ने भी रोडमैप तैयार कर लिया है। मप्र में जीत की राह आदिवासी और एससीएसटी वोटबैंक के द्वार से होकर ही गुजरती है। इसके अलावा इस समय राजनीति का केंद्र प्रदेश की महिला वोटबैंक पर भी है। इस समय के ताजा आंकड़े तो यही बताते हैं कि देश की 50 प्रतिशत आबादी यानी महिलाओं की वोटिंग प्रतिशत में भी भागिदारी बढ़ी है। ऐसे में इन्हें लुभाने के लिए दोनों राजनीतिक दल कमर कस रहे हैं।

महिलाओं के वोट पर भाजपा का फोकस किस कदर है, यह योजनाओं से पता चलता है। लाडली बहना योजना के अलावा मुख्यमंत्री जीवन शक्ति योजना के जरिए सरकार का उद्देश्य शहर की बेरोजगार महिलाओं को रोजगार प्रदान करना है और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर करना है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को रसोई की सुविधा देने के लिए शुरू की गई है। इसके माध्यम से सरकार गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराती है। काम के नजरिए से पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की भागीदारी कम है। इस कारण से महिलाएं आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर होने के बजाए पुरुषों पर आश्रित हैं। यही मुख्य कारण है कि मध्यप्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की शुरुआत की है।

अंधविश्वास मूढ़ समाज की निशानी

अंधविश्वास वास्तविकता से बहुत दूर होते हैं। अंधविश्वास में व्यक्ति अलौकिक शक्तियों में विश्वास करता है। शक्तियों के अस्तित्व में विश्वास रखता है, जो प्रकृति के नियमों की पुष्टि नहीं करता है और न ही ब्रह्मांड की वैज्ञानिक समझ रखता है। अंधविश्वास व्यापक रूप से फैला हुआ है। अगर कोई कहता है कि इन अंधविश्वासों में सच्चाई है, तब आप उससे कहिए कि वह इन अंधविश्वासों की सच्चाई को साबित करके दिखाए।

भारतवर्ष को दुनिया एक अध्यात्मवादी देश के रूप में भी जानती है। निःसंदेह संतों-पीरों-फकीरों और अनेकानेक अध्यात्मवादी महापुरुषों की इस पावन धरा पर चारों ओर आस्था और विश्वास का समुद्र हिलोरें मारता रहता है। यही आस्था और विश्वास जब तक संयमित रहता है, इसके परिणाम सुखद, संतोषजनक व सौहार्दपूर्ण रहते हैं तभी तक इन्हें आस्था व विश्वास के रूप में देखा जा सकता है परन्तु जब इसी आस्था और विश्वास के नाम पर हिंसा, क्रूरता, पशुता, राक्षसी प्रवृति, झूठा भय यहां तक कि हत्या और मानव बलि तक की बातें होने लग जाएं तो इसे अंधआस्था व अंधविश्वास के सिवा और क्या कहा जाए। परंतु यह हमारे देश का एक कटु सत्य है कि संसार के इतने आधुनिक, वैज्ञानिक एवं तर्कशील हो जाने के बावजूद हमारे देश का बड़ा वर्ग अभी भी तांत्रिकों, ज्योतिषियों, काला जादू, बंगाली जादू, इंद्र जाल, सिफली, दुआ ताबीज और कंडा-चिल्ला जैसे अनेक व्यसनों में उलझा हुआ है।

आए दिन देश के किसी न किसी राज्य से अंधास्था एवं अंधविश्वास से जुड़ी दिल दहलाने वाली खबरें तो आती ही रहती हैं। कोई अपने ही बच्चे की बलि चढ़ाकर भगवान को खुश कर रहा है तो किसी को अपनी खुशहाली की खातिर या अपनी कोई मुराद पूरी करने के लिए अपने पड़ोसी या रिश्तेदार के बच्चे की बलि चाहिए। कितना आश्चर्य है कि हमारे देश में क्या पढ़ा लिखा तो क्या अनपढ़ सभी के वाहनों के पहियों में उस समय ब्रेक लग जाता है जब कोई बिल्ली सामने से गुजर जाती है। यह सभी सदियों पुराने उस सुने-सुनाये अंधविश्वास के वाहक हैं जिसमें न जाने किसने और कब यह बताया होगा कि बिल्ली का रास्ता काटना अशुभ होता है। गत मात्र एक दशक से भी कम समय से न जाने किसके कहने और बताने पर या फिर एक दूसरे को देखकर तमाम युवतियां यहां तक कि अब अधेड़ महिलाएं अपने पैरों में काला धागा बांधने लगी हैं। इनमें अनपढ़ ही नहीं स्वयं को शिक्षित तक बताने वाली युवतियां भी शामिल हैं।

उम्मीद थी कि शायद कुछ दिनों बाद फैशन का रूप धारण कर चुके इस नये नवेले अंधविश्वास से देश को मुक्ति मिल जाएगी। परंतु अफसोस तो यह कि इस काले धागे को अब लड़कियों की तरह लड़कों ने भी टांगों में बांधना शुरू कर दिया है। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से पिछले दिनों अंधविश्वास से जुड़ी ऐसी अपराधपूर्ण खबर सामने आई जिसे सुनकर रूह कांप गई। प्राप्त समाचारों के अनुसार 25 वर्षीय रौनक सिंह छाबड़ा नामक एक युवक ने अपने 50 वर्षीय गुरु, बसंत साहू की पहले हत्या की और हत्या के बाद वह बड़ी निर्दयता से अपने गुरु का खून भी पी गया। बाद में उसने गुरु बसंत साहू के शव को सन्नाटी जगह में ले जाकर जलाने की कोशिश की। वहां की पुलिस ने बसंत साहू की अधजली लाश बरामद करने के बाद जब तफ्तीश के दौरान उसके शिष्य रौनक सिंह छाबड़ा से पूछताछ की तो उसी ने यह रहस्य खोला कि वह अपने गुरु से काला जादू की विद्या हासिल करना चाहता था। उसकी सोच थी कि गुरु की हत्या के बाद वह जल्द से जल्द काला जादू सीख जाएगा इसीलिए प्रयोग के रूप में उसने इस वीभत्स कांड को अंजाम दिया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जादू टोने के लिए काला जादू सीखने के नाम पर एक चेले द्वारा अपने गुरु की हत्या उस छत्तीसगढ़ राज्य में की गई जहां पहले से ही छत्तीसगढ़ टोना प्रताड़ना निवारण अधिनियम 2005 मौजूद है जिसके अंतर्गत ऐसी अंधविश्वास पूर्ण गतिविधियों को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, बंगाल, झारखंड, उड़ीसा और उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों से तो अक्सर ही कभी किसी की चुड़ैल के नाम पर हत्या कर दी जाती है तो किसी को रस्सी या लोहे की जंजीरों से पेड़ों या खंबों में बांधकर रखा जाता है। उसे भूखा प्यासा रखा जाता है और शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित तक किया जाता है। अंधआस्था और अंधविश्वास से जकड़े इसी मूढ़ समाज को लक्ष्य बनाकर अब पूरे देश में विभिन्न सार्वजनक स्थलों, दीवारों, बस व ट्रेन स्टॉप आदि पर यहां तक कि बसों और ट्रेनों के भीतर भी झाड़ फूक जादू टोना, इंद्र जाल और वशीकरण के तरीके आदि बताने वाले तमाम बकवास, झूठे व गुमराह करने वाले पोस्टर व हैंड बिल चिपके होते हैं।

इन पोस्टर्स में जो दावे किए जाते हैं उन्हें पढ़कर ही हंसी आती है। परन्तु अफसोस कि हमारा सीधा सादा परंतु अंधआस्था व अंधविश्वास का शिकार कोई भी व्यक्ति इन झूठे विज्ञापनों के झांसे में आ जाता है और इन विज्ञापनों में दिए गए नंबरों पर स्वयं फोन कर अपने नुकसान, गुमराही यहां तक कि किसी बड़े से बड़े कुचक्र तक में उलझने के रास्ते स्वयं अख्तियार कर लेता है। आज पूरे देश में लाखों ठग ऐसे ही शरीफ परंतु अंधआस्था और अंधविश्वास के शिकार लोगों की जेबें काट कर अपना पालन पोषण कर रहे हैं। जिन्हें स्वयं अपने भविष्य का ज्ञान नहीं वे दूसरों का भविष्य बताते फिरते हैं। जो स्वयं अनेक पारिवारिक उलझनों व परेशानियों का शिकार हैं वे दूसरों के घरों में सुख शांति लाने का उपाय बताते फिर रहे हैं। पेट पालने के लिए जिन्हें स्वयं झूठ व पाखंड का सहारा लेना पड़ता है वे दूसरों को रोजगार तथा नौकरी के उपाय बताते रहते हैं। इससे बड़ी हास्यास्पद बात और क्या हो सकती है। परीक्षा के समय तमाम स्कूल कॉलेज के बच्चे मस्जिद-मंदिर-मजार-दरगाह-पीपल-बरगद आदि पर जाकर कहीं प्रसाद चढ़ाते हैं तो कहीं जल तो कहीं धागा लपेटते हैं। कहीं कहीं तो अपनी मांग किसी पर्ची में लिखकर चढ़ा देते हैं।

जरा सोचिए कि यदि इन सब टोटकों से लोग परीक्षा पास करने लगें तो पढ़ाई के लिए परिश्रम करने की ज़रुरत ही क्या? हां इन सब चक्करों में पड़ने से परीक्षार्थी का कीमती समय जरूर बर्बाद होता है। आज हमारे देश में जय जवान जय किसान के साथ साथ जय विज्ञान और जय अनुसंधान जैसे नारे भी जोड़ तो जरूर दिए गए हैं परन्तु इन पर देश अमल करे इसके पहले देश के लोगों में अंधआस्था और अंधविश्वास के विरुद्ध चेतना जगाना भी जरूरी है। जब हमारे राजनेता स्वयं ही अंधआस्था और अंधविश्वास को बढ़ावा देंगे, जब वे नींबू-मिर्च लटकाकर चश्म-ए-बददूर करेंगे तो इस समाज को अंधेरे कुंए में गिरने से भला कौन बचा सकता है। सच तो यह है कि अंधविश्वास ही अशिक्षित एवं मूढ़ समाज की सबसे बड़ी निशानी है। सच तो यह है कि अंधविश्वास एक ऐसा विश्वास है, जिसका कोई उचित कारण नहीं होता है। एक छोटा बच्चा अपने घर, परिवार एवं समाज में जिन परंपराओं, मान्यताओं को बचपन से देखता आ रहा होता है, वह भी उन्हीं का अक्षरशः पालन करने लगता है।

यह अंधविश्वास उसके मन-मस्तिष्क में इतना गहरा असर छोड़ देता है कि जीवनभर वह अंधविश्वासों से बाहर नहीं आ पाता। अंधविश्वास अधिकतर कमजोर व्यक्तित्व, कमजोर मनोविज्ञान एवं कमजोर मानसिकता के लोगों में देखने को मिलता है। अपने जीवन में असफल रहे लोग अधिकतर अंधविश्वास में विश्वास रखने लगते हैं एवं ऐसा मानते हैं कि इन अंधविश्वासों को मानने एवं इन पर चलने से ही शायद वह सफल हो जाएं। अंधविश्वास समाज, देश, क्षेत्र, जाति एवं धर्म के हिसाब से अलग-अलग तरह के होते हैं।

तनवीर ज़ाफ़री
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

भाजपा महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने का काम कर रही है। भाजपा चुनाव को ध्यान में रखकर काम नहीं करती। बल्कि अनवरत विकास यात्रा चालू रहती है।

नरोत्तम मिश्रा, गृह मंत्री

राज्य की बहन-बेटियां, भांजे और भाई लोग इस सरकार को पूरी तरह से समझ चुके हैं। शिवराज सिंह कितना ही बरगलाएं अब उनकी और भाजपा की दाल गलने वाली नहीं है।

केके मिश्रा, मुख्य प्रवक्ता कांग्रेस

सत्यार्थ

मित्रता सबसे बड़ा गुण

रामायण में श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता से हम मित्रों के गुण सीख सकते हैं। श्रीराम और सुग्रीव पहली बार मिल रहे थे। उस समय श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि मैं जंगल में भटक रहा हूं, क्योंकि मुझे मेरी पत्नी सीता को खोज करनी हैं, लेकिन आप तो राजा हैं, फिर आप जंगल में रह रहे हैं। सुग्रीव ने अपने नए मित्र राम से कहा कि मेरा एक बड़ा भाई है बालि। वह राज-पाठ के लिए मेरा दुश्मन बन गया है। कुछ समय पहले एक राक्षस हमारे राज्य में आ गया तो बालि उसे मारने गया। बालि के पीछे-पीछे मैं भी चला गया। बालि और राक्षस एक गुफा में चले गए। मैं गुफा के बाहर ही खड़ा रहा। कुछ दिनों के बाद उस गुफा से बाहर खून निकलने लगा। खून देखकर मैं डर गया, मुझे लगा कि बालि मारा गया। मैं डर गया था तो अपने राज्य लौट आया और सभी लोगों को पूरी घटना बना दी। यहां के लोगों को भी लगा की बालि मारा गया तो उन्होंने मुझे राजा बना दिया। जब मेरा भाई बालि लौटकर आया तो उसे लगा कि मैं जानबूझकर राजा बन गया हूं। उसने में मुझे मारकर राज्य से भगा दिया, वह मुझे शत्रु समझने लगा है। मैं उससे बचने के लिए ही जंगल में छिपा हुआ हूं। श्रीराम ने सुग्रीव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आपका राज्य वापस दिलवाने में मैं आपकी मदद करूंगा। सुग्रीव को श्रीराम पर भरोसा नहीं हुआ, वह सोचने लगा कि बालि तो बहुत ताकतवर है तो राम उसे कैसे मारेंगे उस समय श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि अब मैं तुम्हारा मित्र हूं। मित्र की विशेषता ये है कि वह अपने मित्र को दुखी देखकर उसे अपना दुख मान लेता है। उस दुख को दूर करने की कोशिश करता है। विपत्ति के समय मित्र के साथ खड़े रहना ही मित्र का सबसे बड़ा गुण है। इसलिए मुझ पर भरोसा रखो, मैं तुम्हारे दुख दूर करने में मदद जरूर करूंगा। ये बातें सुनकर सुग्रीव को श्रीराम पर भरोसा हो गया।

मुकेश कुमार

संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी में धोखाधड़ी का मामला

सीएम गहलोत से मिले पीड़ित आपबीती बताते हुए रोने लगे

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुख्यमंत्री निवास पर रविवार को संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा ठगी के शिकार पीड़ितों ने मुलाकात की। राज्य के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों ने अपने करोड़ों रुपए निवेश की ठगी, बिगड़ते पारिवारिक और सामाजिक हालातों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। पीड़ितों ने अपनी मार्मिक आपबीती बताते हुए कहा कि वर्षों की कड़ी मेहनत से एक-एक रुपया जोड़कर राशि जमा की थी। सोसायटी संचालकों ने बड़े लाभ दिलाने के भरोसे में लेकर निवेश कराया। अब पासबुकें खाली पड़ी है और सोसायटी द्वारा दिए बॉन्ड धूल खा रहे हैं। अपनी आपबीती बताते हुए कई पीड़ित भावुक हुए तो कई रोने लगे। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सोसायटी के मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रम सिंह के साथ उन्हें निवेश करने के लिए भरोसे में लिया था। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों की बात सुनकर न्यायोचित कार्रवाई का भरोसा दिया।

विक्रम सिंह के साथ निवेश करने के लिए शेखावत ने लिया भरोसे में

मंत्री के हाथ में पैसा

पीड़ित शकुंतला शर्मा ने बताया कि एजेंटों और मंत्री के मिलने वालों ने हमें कहा था कि सोसायटी मंत्री जी के हाथ में है। आपकी राशि सुरक्षित है। मेरे 25 लाख रुपए निवेश है। पीड़ित उन्होंने बताया कि स्वयं के साथ घरों में काम करने वाली महिलाओं के लगभग 20 लाख रुपए जमा कराए थे। अब वे महिलाएं रोजाना पैसे वापस दिलाने के लिए कहती हैं। ऐसे में मेरा बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

उन्होंने कहा कि यह मामला गंभीर है। आपकी पीड़ा सुनकर दुःखी हूं। राज्य सरकार स्तर पर यदि कानून में बदलाव करना होगा तो किया जाएगा। संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी ने हजारों लोगों की जीवनभर की गाढ़ी कमाई गबन की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करेगी कि मेहनतकश लोगों की जमापूंजी वापस दिलवायी जाए। मुख्यमंत्री ने आमजन से भी अपील की है कि निवेश के दौरान समझदारी से फैसला करें। स्कीम के झांसे में नहीं आएं। विशेषज्ञों से रायशुमारी कर निवेश करना ही ठगी से बचने का उपाय है।

मामले में आज दर्ज होंगे गवाहों के बयान

इधर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में एक आपराधिक शिकायत दायर करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत पर संजीवनी घोटाले पर टिप्पणी करके उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरप्रीत सिंह ने मामले में संज्ञान लिया और शेखावत की शिकायत के समर्थन में गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए इसे सोमवार के लिए सूचीबद्ध किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गहलोत ने संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले में भाजपा नेता की भूमिका होने का आरोप लगाकर उन्हें बदनाम किया। शिकायत में दावा किया गया है कि उनकी (शेखावत) प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति हुई है।

पेंशन से चुका रहा हूं निवेशकों की राशि

चौमूं निवासी सतीश कुमार ने कहा कि मेरे 10 लाख, पत्नी के 15 और मां के नाम से 6 लाख रुपए जमा कराए थे। मैं एजेंट भी रहा। ऐसे में लोग मुझसे राशि मांगते है। अब पेंशन राशि से उन्हें थोड़ा-थोड़ा चुका रहा हूं। एक अन्य पीड़ित ने भी पेंशन से निवेशकों को पैसा देने की बात कही। कोटा से आए प्रेमप्रकाश ने कहा कि मैं एजेंट भी रहा। मेरे पास जो जमा पूंजी थी, वो निवेशकों को दे चुका हूं।

डीजीपी उमेश मिश्रा ने दी होली की शुभकामनाएं

होली-धुलंडी पर हुड़दंग करने वालों से सख्ती से निपटेगी पुलिस

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। होली-धुलंडी पर हुड़दंग करने वालों से निपटने को पुलिस तैयार रहेगी। पुलिस ने कहा कि त्योहार पर शराब पीकर हुड़दंग मचाकर माहौल बिगाड़ने वाले असमाजिक तत्वों पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। जयपुर पुलिस ने इसको लेकर एक्शन प्लान तैयार किया है। जहां-जहां होलिका दहन होगा, वहां पर पुलिस के जवान मौजूद रहेंगे। वहीं सभी थाना इलाकों में पॉइंट बनाकर

पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे जो हुड़दंगियों से निपटेंगे। इसके साथ ही सिग्मा, चेतक अलर्ट रहकर सभी इलाकों में गश्त करेगी। इसके साथ ही कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की जाएगी। इसमें शहर के प्रमुख चौराहे और हाइवे और एक्सप्रेस से जुड़ने वाली सड़कें भी शामिल हैं। वहीं कमिश्नरेट के अभय कमांड सेंटर के सीसीटीवी कैमरे से भी लोगों पर नजर रखी जाएगी। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने होली के अवसर पर राजस्थान पुलिस के जवानो व अधिकारियों और प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने इस अवसर पर पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। वहीं होली-धुलंडी में ड्यूटी देने के बाद पुलिस भी अगले दिन होली खेलेगी।

वधु चाहिए

26 वर्ष,बीए एलएलबी,एलएलएम अध्ययनरत न्यायिक सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे इकलौते पुत्र हेतु स्वजातीय (खटीक), सुशील, संस्कारी, सुयोग्य, समकक्ष, लॉ ग्रेजुएट वधु चाहिए। वर की पूर्व में कोई सगाई या शादी नहीं। मांगलिक दोष नहीं। पिता सरकारी सेवा में कार्यरत। माता गृहणी, गौत्र-पिता बुटोलिया, माता सोलंकी, दादी चावला, नानी चंदेल।

शीघ्र विवाह हेतु सम्पर्क करें- Mob. 9414054148

जयपुर में पहली बार

स्वतंत्र विला एवं 4BHK लक्ज़री फ्लैट्स (गेटेड स्कीम, लैंडस्केपिंग, पर्याप्त सुरक्षा, 24 घंटे बिजली-पानी, क्लब हाउस, स्पोर्ट्स फैसिलिटी, 200Ft. राणा सांगा मार्ग पर)

RH

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

27 योजनाएं

4569 आवास

90% तक बैंक लोन सुविधा उपलब्ध

आवेदन 01 मार्च, 2023 से 31 मार्च, 2023 तक

नवीन आवासीय योजनाएं

शहर एवं जिला का नाम	योजना का नाम	आवासों की श्रेणी	आवासों की संख्या
प्रताप नगर, जयपुर	ग्रीनवुड मेन्शन (स्वतंत्र विला), सेक्टर-28, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2411)	उच्च आय वर्ग	164
	ग्रीनवुड आईकॉनिक, सेक्टर-28, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2403)	उच्च आय वर्ग (B+S+14)	56
	ग्रीनवुड होराइजन, सेक्टर-28, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2410)	उच्च आय वर्ग (B+S+14)	504
	समृद्धि अपार्टमेन्ट-प्रथम, सेक्टर-22, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2398)	मध्यम आय वर्ग-अ (S+6)	120
	समृद्धि अपार्टमेन्ट-द्वितीय, सेक्टर-22, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2399)	मध्यम आय वर्ग-अ (G+2)	39
	माही अपार्टमेन्ट, सेक्टर-23, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2390)	मध्यम आय वर्ग-ब (2B+S+13)	325
	एम.एन.आई.टी. फैकल्टी योजना, से.-26, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2412)	उच्च आय वर्ग (B+G+12)	124
चूरू	आवासीय योजना, चूरू	उच्च आय वर्ग	09
		मध्यम आय वर्ग-ब	01
किशनगढ़ (अजमेर)	खोडा गणेश फेज-चतुर्थ, किशनगढ़ (रेरा नं. RAJ/P/2023/2405)	उच्च आय वर्ग	40
		मध्यम आय वर्ग-ब	75
		मध्यम आय वर्ग-अ	60
ब्यावर (अजमेर)	आवासीय योजना, गढ़ी थोरियान	उच्च आय वर्ग	20
		मध्यम आय वर्ग-अ	08
		मध्यम आय वर्ग-ब	29
धौलपुर	आवासीय योजना सेक्टर-05, बाड़ी रोड (रेरा नं. RAJ/P/2023/2362 and RAJ/P/2023/2354)	उच्च आय वर्ग	09
		मध्यम आय वर्ग-ब	10
		मध्यम आय वर्ग-अ	10
	आवासीय योजना, सेक्टर-04, बाड़ी रोड	उच्च आय वर्ग	06
		मध्यम आय वर्ग-ब	10
लाखेरी (बूंदी)	आवासीय योजना, लाखेरी (रेरा नं. RAJ/P/2023/2406)	उच्च आय वर्ग	61
		मध्यम आय वर्ग-ब	29
		मध्यम आय वर्ग-अ	145
		अल्प आय वर्ग	04
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	02
		घरोन्दा	76
निवाई (टोंक)	आवासीय योजना, निवाई (रेरा नं. RAJ/P/2023/2369)	उच्च आय वर्ग	23
		मध्यम आय वर्ग-ब	24
		मध्यम आय वर्ग-अ	26
		अल्प आय वर्ग	04
जोधपुर	आवासीय योजना, बड़ली (रेरा नं. RAJ/P/2023/2404)	उच्च आय वर्ग	63
		मध्यम आय वर्ग-ब	105
		मध्यम आय वर्ग-अ	125
		अल्प आय वर्ग (प्रथम)	185
		अल्प आय वर्ग (द्वितीय)	205
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	407
	आवासीय योजना, चौपासनी	उच्च आय वर्ग (B+S+9)	180
		मध्यम आय वर्ग-ब (B+S+9)	108
हनुमानगढ़	आवासीय योजना, हनुमानगढ़, डी.टी.ओ. ऑफिस के पास (रेरा नं. RAJ/P/2023/2353)	मध्यम आय वर्ग (G+2)	96
		अल्प आय वर्ग (G+2)	180
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग (G+2)	228
आबू-रोड (सिरोही)	आवासीय योजना, मानपुर (रेरा नं. RAJ/P/2023/2416)	मध्यम आय वर्ग-ब	25
		मध्यम आय वर्ग-अ	25
		अल्प आय वर्ग	35
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	65
		घरोन्दा	39
भिण्डर (उदयपुर)	आवासीय योजना, अटल नगर	मध्यम आय वर्ग-ब	22
सलूम्बर (उदयपुर)	आवासीय योजना, सलूम्बर	उच्च आय वर्ग	04
		मध्यम आय वर्ग-ब	02
		मध्यम आय वर्ग-अ	05
		अल्प आय वर्ग	16
उदयपुर	प्रताप अपार्टमेंट, हिरण मगरी, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2389)	मध्यम आय वर्ग-ब (S+6)	24
भीलवाड़ा	आवासीय योजना, पटेल नगर विस्तार	मध्यम आय वर्ग-ब	16
		मध्यम आय वर्ग-अ	25
शाहपुरा (भीलवाड़ा)	आवासीय योजना, शाहपुरा (रेरा नं. RAJ/P/2023/2413)	मध्यम आय वर्ग-ब	07
		मध्यम आय वर्ग-अ	09
		अल्प आय वर्ग	18
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	49
निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़)	आवासीय योजना, अटल नगर	उच्च आय वर्ग	14
		मध्यम आय वर्ग-ब	33
		मध्यम आय वर्ग-अ (प्रथम)	12
		मध्यम आय वर्ग-अ (द्वितीय)	12
बड़ी सादड़ी (चित्तौड़गढ़)	आवासीय योजना, बड़ी सादड़ी	मध्यम आय वर्ग-ब	10
		मध्यम आय वर्ग-अ	07
		अल्प आय वर्ग	06
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	23
		घरोन्दा	28
परतापुर (बांसवाड़ा)	आवासीय योजना, परतापुर	उच्च आय वर्ग	34
		मध्यम आय वर्ग-ब	25
		मध्यम आय वर्ग-अ	17
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	04
डूंगरपुर	आवासीय योजना, शिवाजी नगर	मध्यम आय वर्ग-अ	16
		अल्प आय वर्ग	33
		आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	14

नोट: जयपुर, चूरू, किशनगढ़, ब्यावर, धौलपुर, निवाई, चौपासनी और उदयपुर की योजनाएं **स्ववित्त पोषित (SFS)** आवासीय योजनाओं के अंतर्गत तथा लाखेरी, बड़ली, हनुमानगढ़, मानपुर, सलूम्बर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा और डूंगरपुर की योजनाएं **विशिष्ट पंजीकरण (SRS)** श्रेणी में हैं।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: **0141-2744688, 2740009** कार्यालय समय उपरान्त: **9461054291/92/319** एवं **9460254319,** शांतनु वार्ष्णेय **(9983131666),** पवन सोनी **(8852000770)** या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन **(9828363615)** से सम्पर्क करें

मौके पर हेल्प डेस्क/ बैंक काउंटर उपलब्ध

RHB वेबसाइट के लिए Scan करें

प्रताप नगर में हेल्प डेस्क की लोकेशन के लिए Scan करें

प्रताप नगर की योजनाओं के ब्रॉशर डाउनलोड करने के लिए Scan करें

ग्रीनवुड मेन्शन | ग्रीनवुड आईकॉनिक | ग्रीनवुड होराइजन

अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए RHB की वेबसाइट देखें।

www.urban.rajasthan.gov.in/RHB

राजस्थान संवाद

शासन-प्रशासन को पत्र

RAJHIN2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

C-2अर्शिया रेजीडेंसी, फ्लैट न.201,आदर्शनगर, न्यू राजापार्क जयपुर-302004 (राज.)

क्रमांक HV/2022-23/ 936 दिनाँक : 04 मार्च 2023

श्रीमान उपायुक्त महोदय,
मालवीयनगर जोन
नगरनिगम ग्रेटर,जयपुर (राज.)
विषय: आपके जोन क्षेत्र में चल रहे अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों के बारे में सूचनार्थ।

संदर्भ: अवैध निर्माणों से सम्बंधित शिक़ायत करने व सूचनाएँ देने के तत्पश्चात व हिलव्यू समाचार पत्र ख़बरे प्रकाशित करने पर भी आपकी तरफ़ से कोई कार्यवाही नहीं होने के क्रम में।
श्रीमान,
उपरोक्त विषय एवं संदर्भानुसार आपसे निवेदन है कि आपके मालवीय नगर क्षेत्र में हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना करते हुए लगातार आवासीय कॉलोनियों,आवासीय भूखण्डों पर व्यवसायिक निर्माण हो रहे हैं जो कि अवैध निर्माण की श्रेणी में आते हैं इसके अतिरिक्त आवासीय भूखण्डों व आवासीय मकानों में बहुमंज़िला बिल्डिंग बन रहीं हैं,परिवार के विस्तार का झूठा शपथ पत्र देकर जबकि इन आवासीय भूखण्डों/मकानों को पीजी/हॉस्टल/होटल/ गेस्ट हाउस में व्यवसायीकरण कर अवैध परिवर्तन किया जा रहा है अवैध निर्माण करके।

बिना भू रूपांतरण,बिना स्वीकृति,ज़ीरो सेटबैक पर,बिना फायर एनओसी के ये अवैध निर्माण बनते व बढ़ते जा रहे हैं।
बिना स्वीकृति, बिना भू-रूपांतरण, बिना फ़ायर एनओसी,बिना आरएमए लाइसेंस के होने वाले इन अवैध निर्माणों,अवैध गतिविधियों से सरकार को रेवेन्यू का नुक़सान तो हो ही रहा है साथ सरकार की छवि लगातार आम जनता में धूमिल होती जा रही है यह सारे भ्रष्टाचार, ,अतिक्रमण,अवैध निर्माण देखकर।
आपके जोन द्वारा कुछेक अवैध निर्माण 180 दिन के लिए सील किये गए किंतु 90 दिन में ही वो सील अवैध निर्माणकर्ता द्वारा झूठा शपथ पत्र देकर खुलवा ली गयी और पुनः अवैध निर्माण शुरू हो गए। शपथपत्र अनुसार न ही अवैध निर्माणकर्ताओं ने अवैध निर्माण हटाया न ही अवैध निर्माण को रोका बल्कि सील खुल जाने के बाद अवैध निर्माण करने वाले और दबंग और दुस्सहासी बन गए और धड़ल्ले से अवैध निर्माण करने में लगे है।
इन अवैध निर्माणों से आवासीय क्षेत्रों में लगातार निम्न अव्यवस्थाएं बढ़ रहीं हैं-

1. आवासीय में व्यवसायीकरण के कारण उनमें चलने वाले ढाबों,होटलों व कैफ़े से आगजनी जैसी आकस्मिक दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ गया है।

2.बिना फ़ायर एनओसी,आरएमए लाइसेंस के अवैध बहुमंज़िला बिल्डिंग्स में अवैध कैफ़े,ढाबे व अवैध होटल/हॉस्टल/कैफेटेरिया चल रहे हैं जो कि आसपास रह रही आम जनता के जीवन खिलवाड़ है।

3.रहवासियों के बढ़ते दबाव से यातायात बाधित हो गया है जिसके कारण घण्टों जाम रहता है। सड़कें पार्किंग से घिर गई हैं जो आम रहवासियों के लिए सिरदर्द बन गईं हैं उन्हें अपने घर में जाने के लिए घँटों इंतज़ार करना पड़ता है।

4.इन क्षेत्रों में आम रहवासियों के घर के बाहर अनजान वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है जिससे घर में आना-जाना दूभर हो जाता है। घँटों अज़नबी गाड़ियाँ घरों के बाहर खड़ी रहतीं हैं।

5.फ़ूड स्टॉल, दुकान,चाय के ढाबों पर देर रात तक अज़नबी लोगों के आवागमन,गतिविधियाँ बनी रहतीं हैं जिससे इस क्षेत्र के आम रहवासियों को परेशानियों व दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

6. रहवासियों के बढ़ते घनत्व के कारण लोगों की भीड़ बढ़ गयी है जो कि अनजान व अज़नबी ज़्यादा है ऐसे में लड़ाई झगड़े भी बढ़ गए हैं जो कि सामाजिक शांति व सुरक्षा को भंग कर रहे हैं।

7. इस क्षेत्र में अवैध बनी बहुमंज़िला बिल्डिंग मुख्य मार्गों को बाधित कर रही हैं जिससे आम रहवासियों को काफ़ी दिक़्क़त हो रहीं हैं।

8.बढ़ते रहवासियों के कारण बिना फ़ूड लाइसेंस के स्ट्रीट फूड/ढाबे/ होटल शुरू हो गए हैं।चाय के ढाबों पर नशा परोसा जा रहा है जिसकी वजह से घण्टों वहाँ भीड़ बनी रहती है और झगड़े होते रहते हैं।

9.सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना कर सार्वजनिक पार्कों में अवैध निर्माण कर राजनैतिक पार्टी कार्यालय चल रहे हैं,बैठकें हो रहीं हैं जबकि सार्वजनिक पार्क/उद्यान/बगीचे में किसी भी तरह का निर्माण स्वीकृत नहीं है।
अतः श्रीमान से निवेदन है कि स्वयं के स्तर पर अपने जोन क्षेत्र का अवलोकन कर,जाँच कर इन अवैध निर्माणों व फ़ूड की अवैध गतिविधियों पर उचित व सख़्त कार्यवाही कर अपनी भूमिका को प्रदर्शित करें ।
विन्रम निवेदन है कि आपके जोन से उचित व सख़्त कार्यवाही न होने पर लोकायुक्त में यह शिक़ायत दर्ज करना मेरा अगला क़दम होगा। आशा है आप स्वयं ही उचित कार्यवाही कर अपनी प्रशासनिक सेवा सक्रियता का परिचय देंगे।
एक लोकसेवक होने के नाते आप इस पर मुख्य रूप से कार्यवाही करेंगे इसी उम्मीद के साथ

धन्यवाद!

संलग्न पुनः सूचनार्थ
हिलव्यू समाचार अख़बार की 08 प्रति तारिख सहित जिसमें लगातार मालवीय नगर जोन के अवैध निर्माणों की ख़बरें प्रकाशित की गईं हैं।

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित-
मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार
यूडीएच मंत्री राजस्थान सरकार
मुख्य सचिव राजस्थान सरकार
महापौर नगर निगम ग्रेटर जयपुर
आयुक्त नगर निगम ग्रेटर जयपुर
उपायुक्त,मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर,जयपुर
रक्षित पत्रावली

प्रार्थी

शालिनी श्रीवास्तव
संपादक एवं स्वामी हिलव्यू समाचार
प्लॉट नंबर C-2 अर्शिया रेजिडेंसी
फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर
राजापार्क जयपुर राजस्थान
संपर्क :7976561127,9460079061
मेल आईडी: hillviewsamachar@gmail.com
वेबसाइट: www.hsnews.in

शासन-प्रशासन को पत्र

RAJHIN2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

C-2अर्शिया रेजीडेंसी, फ्लैट न.201,आदर्शनगर, न्यू राजापार्क जयपुर-302004 (राज.)

क्रमांक HV/2022-23/ 937 दिनाँक : 04 मार्च 2023

श्रीमान उपायुक्त महोदय,
आदर्शनगर जोन,
नगरनिगम हैरीटेज,जयपुर (राज.)
विषय: आपके जोन क्षेत्र में चल रहे अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों के बारे में सूचनार्थ।

संदर्भ: अवैध निर्माणों से सम्बंधित शिक़ायत करने व सूचनाएँ देने के तत्पश्चात व हिलव्यू समाचार पत्र ख़बरे प्रकाशित करने पर भी आपकी तरफ़ से कोई कार्यवाही नहीं होने के क्रम में।
श्रीमान,
उपरोक्त विषय एवं संदर्भानुसार आपसे निवेदन है कि आपके आदर्शनगर जोन क्षेत्र में हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना करते हुए लगातार आवासीय कॉलोनियों,आवासीय भूखण्डों पर व्यवसायिक निर्माण हो रहे हैं जो कि अवैध निर्माण की श्रेणी में आते हैं इसके अतिरिक्त आवासीय भूखण्डों व आवासीय मकानों में बहुमंज़िला बिल्डिंग बन रहीं हैं,परिवार के विस्तार का झूठा शपथ पत्र देकर जबकि इन आवासीय भूखण्डों/मकानों को पीजी/हॉस्टल/होटल/गेस्ट हाउस में व्यवसायीकरण कर अवैध परिवर्तन किया जा रहा है अवैध निर्माण करके।

बिना भू रूपांतरण,बिना स्वीकृति,ज़ीरो सेटबैक पर,बिना फायर एनओसी के ये अवैध निर्माण बनते व बढ़ते जा रहे हैं।
बिना स्वीकृति, बिना भू-रूपांतरण, बिना फ़ायर एनओसी,बिना आरएमए लाइसेंस के होने वाले इन अवैध निर्माणों,अवैध गतिविधियों से सरकार को रेवेन्यू का नुक़सान तो हो ही रहा है साथ सरकार की छवि लगातार आम जनता में धूमिल होती जा रही है यह सारे भ्रष्टाचार, ,अतिक्रमण,अवैध निर्माण देखकर।
आपके जोन द्वारा कुछेक अवैध निर्माण 180 दिन के लिए सील किये गए किंतु 90 दिन में ही वो सील अवैध निर्माणकर्ता द्वारा झूठा शपथ पत्र देकर खुलवा ली गयी और पुनः अवैध निर्माण शुरू हो गए। शपथपत्र अनुसार न ही अवैध निर्माणकर्ताओं ने अवैध निर्माण हटाया न ही अवैध निर्माण को रोका बल्कि सील खुल जाने के बाद अवैध निर्माण करने वाले और दबंग और दुस्सहासी बन गए और धड़ल्ले से अवैध निर्माण करने में लगे है।
इन अवैध निर्माणों से आवासीय क्षेत्रों में लगातार निम्न अव्यवस्थाएं बढ़ रहीं हैं-

1. आवासीय में व्यवसायीकरण के कारण उनमें चलने वाले ढाबों,होटलों व कैफ़े से आगजनी जैसी आकस्मिक दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ गया है।

2.बिना फ़ायर एनओसी,आरएमए लाइसेंस के अवैध बहुमंज़िला बिल्डिंग्स में अवैध कैफ़े,ढाबे व अवैध होटल/हॉस्टल/कैफेटेरिया चल रहे हैं जो कि आसपास रह रही आम जनता के जीवन खिलवाड़ है।

3.रहवासियों के बढ़ते दबाव से यातायात बाधित हो गया है जिसके कारण घण्टों जाम रहता है। सड़कें पार्किंग से घिर गई हैं जो आम रहवासियों के लिए सिरदर्द बन गईं हैं उन्हें अपने घर में जाने के लिए घँटों इंतज़ार करना पड़ता है।

4.इन क्षेत्रों में आम रहवासियों के घर के बाहर अनजान वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है जिससे घर में आना-जाना दूभर हो जाता है। घँटों अज़नबी गाड़ियाँ घरों के बाहर खड़ी रहतीं हैं।

5.फ़ूड स्टॉल, दुकान,चाय के ढाबों पर देर रात तक अज़नबी लोगों के आवागमन,गतिविधियाँ बनी रहतीं हैं जिससे इस क्षेत्र के आम रहवासियों को परेशानियों व दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

6. रहवासियों के बढ़ते घनत्व के कारण लोगों की भीड़ बढ़ गयी है जो कि अनजान व अज़नबी ज़्यादा है ऐसे में लड़ाई झगड़े भी बढ़ गए हैं जो कि सामाजिक शांति व सुरक्षा को भंग कर रहे हैं।

7. इस क्षेत्र में अवैध बनी बहुमंज़िला बिल्डिंग मुख्य मार्गों को बाधित कर रही हैं जिससे आम रहवासियों को काफ़ी दिक़्क़त हो रहीं हैं।

8.बढ़ते रहवासियों के कारण बिना फ़ूड लाइसेंस के स्ट्रीट फूड/ढाबे/होटल शुरू हो गए हैं।चाय के ढाबों पर नशा परोसा जा रहा है जिसकी वजह से घण्टों वहाँ भीड़ बनी रहती है और झगड़े होते रहते हैं।

9.सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना कर सार्वजनिक पार्कों में अवैध निर्माण कर राजनैतिक पार्टी कार्यालय चल रहे हैं,बैठकें हो रहीं हैं जबकि सार्वजनिक पार्क/उद्यान/बगीचे में किसी भी तरह का निर्माण स्वीकृत नहीं है।
अतः श्रीमान से निवेदन है कि स्वयं के स्तर पर अपने जोन क्षेत्र का अवलोकन कर,जाँच कर इन अवैध निर्माणों व फ़ूड की अवैध गतिविधियों पर उचित व सख़्त कार्यवाही कर अपनी भूमिका को प्रदर्शित करें ।
विन्रम निवेदन है कि आपके जोन से उचित व सख़्त कार्यवाही न होने पर लोकायुक्त में यह शिक़ायत दर्ज करना मेरा अगला क़दम होगा।
आशा है आप स्वयं ही उचित कार्यवाही कर अपनी प्रशासनिक सेवा सक्रियता का परिचय देंगे।
एक लोकसेवक होने के नाते आप इस पर मुख्य रूप से कार्यवाही करेंगे इसी उम्मीद के साथ

धन्यवाद!

संलग्न पुनः सूचनार्थ
हिलव्यू समाचार अख़बार की 08 प्रति तारिख सहित जिसमें लगातार आदर्श नगर जोन के अवैध निर्माणों की ख़बरें प्रकाशित की गईं हैं।

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित-
मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार
यूडीएच मंत्री राजस्थान सरकार
मुख्य सचिव राजस्थान सरकार
महापौर नगर निगम हैरीटेज,जयपुर
आयुक्त नगर निगम हैरीटेज जयपुर
उपायुक्त,आदर्शनगर जोन, नगर निगम हैरीटेज,जयपुर
रक्षित पत्रावली

प्रार्थी

शालिनी श्रीवास्तव
संपादक एवं स्वामी हिलव्यू समाचार
प्लॉट नंबर C-2 अर्शिया रेजिडेंसी
फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर
राजापार्क जयपुर राजस्थान
संपर्क :7976561127,9460079061
मेल आईडी: hillviewsamachar@gmail.com
वेबसाइट: www.hsnews.in

हिलव्यू समाचार

मीडिया दृष्टिकोण

फीचर

जयपुर, मंगलवार, 07 मार्च 2023

फिल्म सेट पर मक्कारी करते हैं रणबीर

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा श्रद्धा कपूर करीब 3 साल बाद लव रंजन द्वारा निर्देशित 'तू झूठी मैं मक्कार' के साथ पर्दे पर लौट रही हैं. रणबीर कपूर के साथ उनकी इस रोमांटिक कॉमेडी को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता भी है. 8 मार्च को रिलीज होने जा रही इस फिल्म को लेकर श्रद्धा इन दिनों काफी प्रचार कर रही हैं. हाल ही में नवभारत से हुई खास बातचीत में अभिनेत्री ने अपनी इस फिल्म सहित अपने सह-कलाकार रणबीर और अन्य विषयों पर खुलकर बातचीत की. पेश है इस चर्चा के कुछ अंश...

✦ रणबीर कपूर और आप बचपन के दोस्त हैं, उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

रणबीर के साथ काम करने का अनुभव मजेदार रहा. इस फिल्म के जरिये मुझे काफी कुछ सीखने को मिला. कोविड के दौरान हमने इस फिल्म को शूट किया. 'सांवरिया' से ही मैंने रणबीर को हमेशा एक बेहतरीन एक्टर के रूप में देखा है. मुझे लगा रणबीर बड़ी तैयारी करके सेट पर आते होंगे लेकिन जब वो सेट पर आए, तो लगा ही नहीं कि कोई बड़ा स्टार आया है. वे बेहद सादगी के साथ काम करते हैं. शॉट से पहले वे कहते हैं कि उन्होंने कुछ तैयारी नहीं की है लेकिन टेक होते ही वे इतना लाजवाब परफॉर्म करते थे, जिसे देखकर मैं भी दंग रह जाती थी. रणबीर अपने डायलॉग्स रटकर सेट पर आते हैं और दिखाते ऐसे हैं कि उन्हें कुछ नहीं आता. तो इस प्रकार वो सेट पर हमारे साथ मक्कारी करते थे.

✦ इस फिल्म को करने की बड़ी वजह क्या थी, रणबीर कपूर या लव रंजन?

मैंने हमेशा फिल्म की स्क्रिप्ट के आधार पर उसके लिए हामी भरी है. मैंने कभी भी इस बात की फिक्र नहीं किया कि इसमें किस एक्टर को कास्ट किया गया है. मुझे कई कलाकारों के साथ कई फिल्में ऑफर की जा चुकी हैं. लेकिन मुझे रोल और कहानी पसंद नहीं आए, तो मैंने उन्हें मना कर दिया. फिल्मों को चुनते समय मेरा स्टैंड हमेशा क्लियर रहता है. मुझे ऐसी फिल्में करना पसंद है जिसमें किरदार एक्टिव हो और चैलेंजिंग हो.

✦ इस किरदार के लिए आपको शारीरिक रूप से कितनी तैयारी करनी पड़ी?

मैंने काफी वर्कआउट किया और साथ ही वड़ा-पाव भी खूब खाया (हंसते हुए). मुझे खाना बेहद पसंद है, इसलिए मैंने अपनी ट्रेनर से कहा कि मुझे थोड़ी छूट दे. खुसनसीबी से हम स्पेन में शूट कर रहे थे तो वहां हमें वड़ा-पाव मिला ही नहीं और वहां मुश्किल से ही हमें अपने पसंदीदा भारतीय स्ट्रीट फूड मिले. तो मैंने सोचा कि चलो अभी डाइट फॉलो कर लेती हूं. मैं फिटनेस का भी भरपूर ख्याल रखती हूं लेकिन हां, चीजों को बैलेंस करके रखती हूं.

✦ फिल्म इंडस्ट्री में आपका सबसे बड़ा क्रश कौन है?

सच बताऊं तो मुझे शुरू से ही ऋतिक रोशन पर क्रश रहा है. मैं उन्हें इतना पसंद करती थी कि उनकी पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' और उसके बाद की कई सारी फिल्मों के पोस्टर्स मेरे कमरे में लगे हुए थे. उस वक्त मैंने सोच लिया था कि मैं उनसे शादी करूंगी. फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद मैंने उन्हें बताया कि मैं उन्हें बेहद पसंद करती थी. ये जानकर वे खुश हुए और उन्होंने कहा कि हमें साथ मिलकर फिल्म करनी चाहिए. फिलहाल ये सपना अब तक अधूरा है.

✦ स्वर्गीय लता मंगेशकर आपको बेहद मानती थीं, उनकी कोई याद साझा करना चाहेंगी?

मुझे याद है कि एक बार उन्होंने मुझे कहा था कि मुझे संगीत सीखना चाहिए और गाने का प्रयास करना चाहिए. मैं इस दिशा में आज भी कोशिश कर रही हूं, क्योंकि उनका मुझ पर हमेशा आशीर्वाद रहा है. अगर उन्होंने ये बात कही है तो यकीनन यह मेरे लिए महत्वपूर्ण है.

आकाश जायसवाल@नवभारत

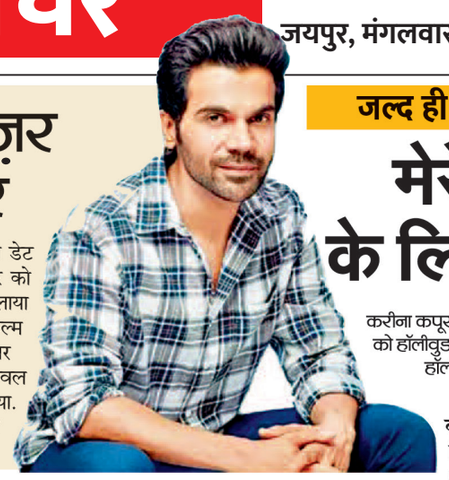

'श्री' के रूप में नज़र आएंगे राजकुमार

राजकुमार राव की आगामी बायोपिक 'श्री' की रिलीज डेट का खुलासा हो गया है. फिल्म इस साल 15 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म में राव के साथ अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर भी हैं. यह फिल्म दृष्टिबाधित उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला की जिंदगी पर आधारित है. दृष्टिदोष होने के बावजूद बोल्ला ने न केवल अपना सपना पूरा किया, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दिया. वह आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में एक किसान परिवार में जन्मे और पले-बढ़े थे.

सुनील की खुशी का ठिकाना नहीं

'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म लगातार चर्चा में है. अब आखिरकार इस पर काम शुरू हो चुका है. इस फिल्म में एक बार फिर सुनील शेट्टी, अक्षय कुमार और परेश रावल अपनी कॉमेडी से दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे. हाल ही में सुनील शेट्टी ने फिल्म का काम शुरू होने पर खुशी जताई है. उन्होंने सोशल मीडिया पर बाकायदा एक नोट लिखा है.

अक्षय के लिए कही यह बात

सुनील ने लिंक्डइन पर फिल्म 'हेरा फेरी' की एक पुरानी तस्वीर साझा की है. इसके साथ एक लंबा नोट लिखते हुए फिल्म की शूटिंग की पुष्टि की है. उन्होंने लिखा है, 'तो 'हेरा फेरी 3' आखिरकार बन रही है! परेशजी और अक्की के साथ सेट पर वापस आने के लिए तैयार हूं. सभी अच्छी चीजों की तरह, इसमें भी कुछ समय लगा, लेकिन आखिरकार इस सवाल का जवाब मिलना राहत की बात है!'

फिल्मों को बताया संस्कृति का हिस्सा

फिल्म को लेकर सुनील ने आगे लिखा, 'फिल्में हमारी संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा हैं और फिर भी बहुत से लोग यह नहीं समझते हैं कि फिल्म बनाने में कितनी मेहनत लगती है. क्रिएटिव चुनौतियों के अलावा, बिजनेस मॉडल और फिल्म बिजनेस की जरूरतें इसे बाकी चीजों की तरह ही चुनौतीपूर्ण बनाती हैं. किसी भी बिजनेस के सफल होने के लिए कई फैक्टर होते हैं, जैसे- एक अच्छा आइडिया, पूरी मार्केट रिसर्च, एक सॉलिड बिजनेस प्लान, एक अच्छी टीम, सही समय पर पैसे मिलना और मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क.' पहले ऐसी खबरें आई थीं कि 'हेरा फेरी 3' में अक्षय कुमार नजर नहीं आएंगे, उनकी जगह कार्तिक आर्यन लेंगे. मगर, अब अक्षय कुमार ही दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे. फैंस भी एक बार फिर अक्षय, सुनील और परेश रावल को साथ देखने के लिए बेकरार हैं.

जल्द ही डिजिटल डेब्यू करेंगी करीना

मेरे पास हॉलीवुड के लिए समय नहीं है

करीना कपूर खान को यह देखकर गर्व होता है कि भारतीय अभिनेताओं को हॉलीवुड में काम करने का अवसर मिल रहा है. हालांकि, वह खुद हॉलीवुड में काम करने को लेकर रुचि नहीं ले रही हैं.

करीना का कहना है कि उनके बच्चे तैमूर और जहांगीर अभी छोटे हैं, इसलिए वह हॉलीवुड में काम करने में इंट्रेस्टेड नहीं हैं. एक इंटरव्यू में करीना ने कहा, 'इंडस्ट्री के लोग वेस्ट में काम कर रहे हैं और प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं. हम यह उम्मीद भी करते हैं कि पश्चिम के बहुत से एक्टर्स यहां हमारे साथ काम करेंगे, तो हम भी उतना ही सम्मानित और उत्साहित महसूस करेंगे. मुझे रयान गोसलिंग के साथ काम करने में कोई आपत्ति नहीं है. लेकिन, मैं हॉलीवुड में कभी काम करने की इच्छुक नहीं रही. मैं यहां बहुत ग्राउंडेड हूं. मेरे बच्चे बहुत छोटे हैं, शादी हो चुकी है और सबकुछ इतनी जल्दी हो गया कि अब उन्हें छोड़ना नामुमकिन है. सच कहूं, तो मेरे पास फिलहाल हॉलीवुड में काम करने का समय ही नहीं है.' करीना जल्द ही 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' से डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं.

आदित्य को मिली OTT में न जाने की सलाह

'द नाइट मैनेजर' के अभिनेता आदित्य रॉय कपूर का कहना है कि कई लोगों ने उन्हें ओटीटी में न जाने की सलाह दी. उनसे कहा गया कि इससे उनकी बड़े पर्दे की छवि प्रभावित होगी. आदित्य के मुताबिक, 'अभिनेता के रूप में, हमारे ऊपर काफी दबाव है.

250 लोगों के सामने अपने एक्ट को प्रेजेंट करना कभी-कभी काफी कठिन होता है. इसलिए चीजों को जितना हो सके, उतना आसान बनाए रखना बेहतर है.' आदित्य कहते हैं कि हॉटस्टार सीरीज की पेशकश पर उनके आसपास के लोगों ने बंटी हुई प्रतिक्रियाएं दी थीं. कई लोगों ने उन्हें यह कहते हुए डिजिटल दुनिया में प्रवेश करने से मना कर दिया कि इससे सिनेमा हॉल में दर्शकों में उनसे 2 घंटे मिलने का आकर्षण कम हो जाएगा. वहीं कुछ लोगों ने कहा कि यही भविष्य है. आदित्य ने यह भी कहा कि मेरा मानना है कि ओटीटी, अभिनेताओं के लिए बुरी बात नहीं है. काफी लोग इसे कर भी रहे हैं. साथ ही, मैं हमेशा सोचता था कि लंबे फॉर्मेट वाली कहानी कैसी होती होगी, इसलिए मैंने यह रोल किया.

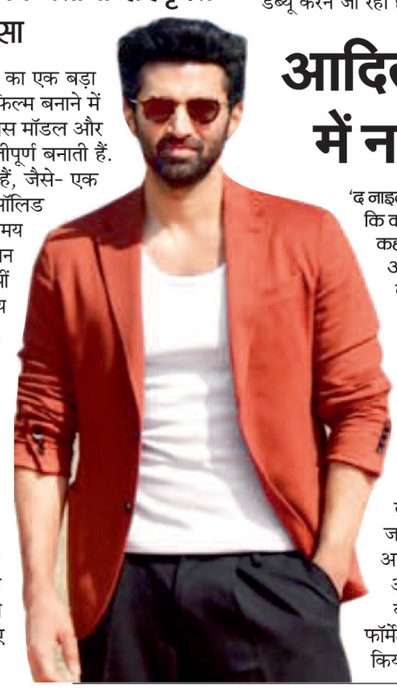

'लॉक अप' सीजन 2 में नजर नहीं आएंगी प्रियंका

TV गॉसिप

'खतरों के खिलाड़ी' के अलावा अगर किसी शो को लेकर ऑडियंस उत्साहित है तो वह कंगना रनौत का रियलिटी शो 'लॉक अप' है. इस रियलिटी शो के पहले सफल सीजन के बाद अब ऑडियंस को दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार है. कंगना के 'लॉक अप' सीजन 2 में हिस्सा लेने के लिए अब तक कई सितारों के नाम सामने आ चुके हैं.

इस शो के लिए निमृत कौर का नाम भी सामने आया था. हालांकि, एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इस बात को क्लियर कर दिया था कि वह बैक-टू-बैक कोई रियलिटी शो नहीं करना चाहती हैं. निमृत के बाद अब एक और बिग बॉस कंटेस्टेंट को 'लॉक अप' सीजन 2 का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है. शिव ठाकरे, अर्चना गौतम सहित कई बिग बॉस कंटेस्टेंट के नाम कंगना रनौत के विवादित शो 'लॉक अप' के लिए सामने आ रहे थे. इन्हीं नामों में से एक नाम बिग बॉस की सेकंड रनरअप प्रियंका चहर चौधरी का भी था. 'लॉक आप' सीजन 2 की बात करें तो इस सीजन में दर्शकों को बहुत कुछ ऐसा देखने को मिलेगा, जो इससे पहले के सीजन में उन्हें देखने को नहीं मिला था. इस बार यह शो 90 दिनों का होगा. 'लॉक अप' का सेट फिलहाल बन रहा है. रिपोर्ट्स की मानें तो इस शो की शूटिंग मिड मार्च में शुरू होगी.

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

अब खबर है कि प्रियंका इस शो का हिस्सा नहीं बन रही हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो प्रियंका का इस समय इस शो का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि इस वक्त वह फिल्म और वेब सीरीज पर ज्यादा फोकस कर रही हैं. अब तक कई सितारे हैं जो साफ तौर पर इस बात से इंकार कर चुके हैं कि मेकर्स ने उन्हें शो में हिस्सा लेने के लिए अप्रोच किया है. उर्फी जावेद का नाम भी 'लॉक अप' सीजन 2 के लिए सामने आ रहा था. हालांकि उन्होंने यह सीधे तौर पर कहा कि उन्हें शो के लिए अप्रोच ही नहीं किया गया.

'गेम ऑफ थ्रोन्स' एक्टर संग सैयामी का एक्शन

सैयामी खेर जल्द ही आर. बाल्की की 'घूमर' में लकवाग्रस्त क्रिकेट खिलाड़ी की भूमिका निभाती नजर आएंगी. सैयामी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वह 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के लीड एक्टर्स में से एक कॉनन स्टीवंस के साथ इंटेंस एक्शन सीक्वेंस करते हुए नजर आ रही हैं. कॉनन ने 'जीओटी' में ग्रेगोर क्लेगन का किरदार निभाया था. नागार्जुन स्टारर 'वाइल्ड डॉग' के इस सीन के बारे में सैयामी ने बताया कि इसे कोविड के कारण हटाना पड़ा, क्योंकि इससे पहले और बाद के दृश्यों को कोविड प्रोटोकॉल के चलते शूट नहीं किया गया. ऐसे में यह एक्शन सीक्वेंस हटाना पड़ा.

मेरा शादी में यकीन नहीं

शहनाज गिल अपने सेलिब्रिटी चैट शो, 'देसी वाइब्स विद शहनाज गिल' को होस्ट करती हैं. हाल ही उनके चैट शो पर 'ताजा खबर' स्टार भुवन बाम ने शिरकत की. एपिसोड के दौरान, शहनाज ने खुलासा किया कि अब उनका शादी में विश्वास नहीं रह गया है.

शहनाज ने कहा कि वह अभी सिंगल हैं. उन्होंने कहा कि वह आर्थिक रूप से इंडिपेंडेंट बनने के लिए अपने जीवन के इस चरण में पूरी ताकत से काम कर रही हैं. काम और जीवन के विचार पर चर्चा करते हुए उन्होंने भुवन से कहा, 'अभी मेरे पास करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन अगर मुझे काम नहीं मिल रहा है तो मेरे पास पर्याप्त बचत होनी चाहिए, ताकि मुझे भविष्य में सिर्फ पैसों के लिए किसी से शादी न करनी पड़े.'

कोई भी एक्ट्रेस बायोपिक के लिए फाइनल नहीं

एक्ट्रेस मधुबाला की बायोपिक बीते कई वर्षों से चर्चा में है. साल 2021-22 में इस पर 2-3 अलग-अलग निर्माताओं के फिल्म बनाने की चर्चा थी.

हाल ही दिवंगत एक्ट्रेस मधुबाला की 90वीं जयंती के अवसर पर, उनकी सबसे छोटी बहन मधुर बृजभूषण ने खुलासा किया कि बायोपिक के लिए फिलहाल किसी एक्ट्रेस को फाइनल नहीं किया गया है. उन्होंने कहा, 'उन्हें उपयुक्त श्रद्धांजलि देने के लिए जल्द ही एक टॉप स्टूडियो के साथ बायोपिक ला रहे हैं. कास्ट की घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी.'

बहुत अधिक जजमेंटल है को-वर्कर तो ऐसे करें हैंडल

करिअर जोन

वर्कप्लेस में जजमेंटल लोग यकीनन आपके जीवन को बहुत अधिक परेशानीभरा बना देते हैं. ऐसे लोग अक्सर आपके काम की आलोचना ही करते हुए नजर आते हैं. जिससे न केवल आपकी प्रोफेशनल इमेज पर नेगेटिव असर पड़ता है, बल्कि इनका जजमेंटल रवैया आपकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को भी प्रभावित करता है. चूंकि आपको अपने दिन का एक लंबा समय ऑफिस में ही बिताना होता है और अपने काम के कारण आपको ऐसे लोगों के संपर्क में आना ही पड़ता है. तो ऐसे में आपको जजमेंटल लोगों को थोड़ा अधिक स्मार्टली हैंडल करने की आवश्यकता होती है.

बनाएं थोड़ी दूरी

यह सच है कि ऑफिस में रहते हुए कलीग्स के साथ हम सभी एक अच्छा रिलेशन बिल्डअप कर लेते हैं. लेकिन अगर आपका को-वर्कर जजमेंटल है तो ऐसे में उससे थोड़ी दूरी बनाना ही अच्छा होगा. अगर आप सच में खुद को हैप्पी रखना चाहते हैं तो इस तरह के लोगों के साथ कम से कम मतलब रखने का प्रयास करें. अगर किसी प्रोजेक्ट में आपको साथ काम करना भी पड़ता है तो सिर्फ उतनी ही बात करें, जितनी वास्तव में आवश्यक है.

दिल पर न लें बात

जो लोग स्वभाव से जजमेंटल होते हैं, वे सामने वाले व्यक्ति की हर छोटी से छोटी बात को जज करना शुरू कर देते हैं. इसलिए, अगर आप अपने को-वर्कर की हर बात को अपने दिल से लगा लेंगे तो आपका मानसिक सुख-चैन छिन जाएगा. अगर आपको लगता है कि को-वर्कर की दी गई सलाह में कुछ ऐसा है, जो आपके लिए अच्छा है तो आप केवल उसमें ही बदलाव करें. बाकी बातों को इग्नोर कर दें. जब आप जजमेंटल लोगों की बातों को इग्नोर करना शुरू कर देते हैं तो वे भी आपमें कम इंटरस्ट दिखाते हैं.

करें सामना

अगर आपको लगता है कि कलीग्स के जजमेंटल बिहेवियर के कारण आपको बहुत अधिक परेशानी हो रही है तो ऐसे में आप उसे कन्फ्रंट भी कर सकते हैं. यह ऐसे लोगों को हैंडल करने का सबसे प्रभावशाली तरीका है. जब आप खुद परेशान होने की जगह दूसरों के सामने उनके बारे में उन्हीं के तरीके से बात करते हैं तो ऐसे लोगों के पास कोई जवाब नहीं होता. इतना ही नहीं, एक बार कंन्फ्रंट करने के बाद वे फिर से आपके रास्ते में आने की कोशिश नहीं करते हैं.

रिपोर्ट करें

अगर आपको ऐसा लगता है कि कलीग्स के जजमेंटल रवैये के कारण आपको न केवल मानसिक रूप से परेशानी हो रही है, बल्कि इसका सीधा असर आपके काम पर भी पड़ रहा है तो ऐसे में आप टीम लीडर, डायरेक्ट रिपोर्ट, या एचआर से इस बारे में चर्चा करें. साथ काम करते हुए यह कदम बहुत अच्छा विचार नहीं माना जाता, लेकिन इस कदम को उठाने से आपको कम से कम भविष्य में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा.

C55 में मिलेगा आईफोन जैसा डायनेमिक आईलैंड

Gadgets जोन

रियलमी C55 पिछले कुछ दिनों से खबरों में बना हुआ है. इसका बड़ा कारण रियलमी C55 के साथ मिलने वाला मिनी आईलैंड कैप्सूल है. कहा जा रहा है कि रियलमी C55 का मिनी आईलैंड कैप्सूल एपल के आईफोन 14 सीरीज के डायनेमिक आईलैंड जैसा है. रियलमी C55 में 6.72 इंच की फुल एचडी प्लस डिस्प्ले है जिसका रिफ्रेश रेट 90Hz होगा. डिस्प्ले की ब्राइटनेस 680 निट्स होगी. फोन के साथ मिलने वाले मिनी कैप्सूल में बैटरी लेवल, चार्जिंग स्टेटस जैसी जानकारी मिलेगी. इसमें एंड्रॉयड-13 आधारित रियलमी UI 4.0 मिलेगा. इसके अलावा फोन में मीडियाटेक हेलियो G88 प्रोसेसर भी मिलेगा. फोन को 8 जीबी तक रैम और 256 जीबी तक की स्टोरेज में पेश किया जाएगा. रियलमी C55 वर्चुअल रैम भी मिलेगा. इस C-series के फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप मिलेगा जिसमें प्राइमरी लेंस 64 मेगापिक्सल का होगा. दूसरा लेंस 2 मेगापिक्सल का मैक्रो होगा. फ्रंट में 8 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा होगा. रियलमी C55 में 5000mAh की बैटरी होगी, जिसके साथ 33W की चार्जिंग होगी. फोन में साइड माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर के अलावा यूएसबी टाइप-सी पोर्ट मिलेगा और 3.5mm का हेडफोन जैक भी होगा.

एक नज़र

आप ने छत्तीसगढ़ में फूंका चुनावी बिगुल

भाजपा व कांग्रेस ने 23 वर्षों तक राज्य को लूटा

एजेंसी | रायपुर

दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को भाजपा और कांग्रेस पर पिछले 23 वर्षों से छत्तीसगढ़ को लूटने का आरोप लगाया।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे राज्य को भ्रष्टाचार और माफिया राज से छुटकारा दिलाने के लिए उनकी पार्टी को एक मौका दें। छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी बिगुल फूंकते हुए उन्होंने लोगों से वोट डालने से पहले अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखने को कहा। केजरीवाल ने राजधानी रायपुर के बाहरी क्षेत्र में जोरा मैदान में 'आप' कार्यकर्ताओं की रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि वह उद्योगपति गौतम अडाणी को अपने मुंह-बोला भाई की तरह प्यार करते हैं और देश में सब कुछ उन्हें सौंप रहे हैं।

सिसोदिया को बताया संत

दिल्ली आबकारी नीति मामले में हाल में गिरफ्तार किए गए 'आप' नेता मनीष सिसोदिया को एक 'संत' और 'महात्मा' बताते हुए उन्होंने कहा कि सिसोदिया को जेल में डालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को दिल्ली के छात्रों और गरीब लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ खनिज संपन्न राज्य है।

महिलाओं को सहायता राशि देने की होड़

लाडली बहना योजना में हर साल मिलेंगे 12,000 रुपए

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार की मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की शुरुआत के ठीक पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस के राज्य की सत्ता में आने पर महिलाओं को 18 हजार रुपए की वार्षिक सहायता देने के लिए एक योजना शुरू करने का वादा किया। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का शुभारंभ किया जिसमें पात्र महिलाओं को एक हजार रुपए यानी प्रतिवर्ष 12 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। प्रदेश में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है और उससे पहले राज्य सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस, दोनों ही महिलाओं को लुभाने का प्रयास कर रही हैं। राज्य की कुल 230 विधानसभा सीटों में से 18 निर्वाचन क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है। इनमें आदिवासी बहुल बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अलीराजपुर और झाबुआ जिले शामिल हैं।

कर्नाटक: कांग्रेस का दो घंटे का बंद 9 मार्च को

एजेंसी

तुमकुरु (कर्नाटक)। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ नौ मार्च को दो घंटे के बंद का आह्वान किया है।

भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार एम वी के परिसरों से लोकायुक्त द्वारा 8.23 करोड़ रुपए बरामद किए जाने के बाद कांग्रेस ने यह कदम उठाया है। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी.के. शिवकुमार ने नौ मार्च को सुबह नौ बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक बंद का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि इस दौरान, स्कूल, कॉलेज, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी। शिवकुमार ने कहा, लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार का खुलासा किया है और मैं इसके लिए उनकी सराहना करता हूं।

पूरे देश में हो रही है आवाज़ दबाने की कोशिश: राहुल

एजेंसी | लंदन/ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को लंदन में मीडिया से बातचीत में कहा कि बीबीसी की घटना भारत में आवाज दबाने का उदाहरण मात्र है। बीबीसी के डॉक्यूमेंट्री विवाद पर राहुल गांधी ने कहा, यह एक तरह से अडाणी के समान है... एक तरह से एक औपनिवेशिक हैंगओवर भी है। हर जगह जहां विरोध होता है, वहां एक बहाना होता है। पूरे देश में आवाज को दबाने की कोशिश होती है। बीबीसी एक उदाहरण है। अगर बीबीसी सरकार के खिलाफ लिखना बंद कर दे तो सब कुछ सामान्य हो जाएगा। यह भारत की नई सोच है। भाजपा चाहती है कि भारत खामोश रहे। उन्होंने कहा, बीबीसी को इस बारे में अभी पता चला है, लेकिन भारत में ये सिलसिला पिछले 9 सालों से चल रहा है। पत्रकारों को धमकाया जाता है, उन पर हमला किया जाता है और सरकार की बात करने वाले पत्रकारों को पुरस्कार दिए जाते हैं। यह एक पैटर्न का हिस्सा है। मैं कुछ अलग की उम्मीद नहीं करूंगा।

लोकतांत्रिक ढांचों पर हमले

इससे पहले कांग्रेस नेता ने शनिवार को आरोप लगाया था कि भारतीय लोकतांत्रिक ढांचों पर हमले हो रहे हैं और देश के लिए एक वैकल्पिक नजरिये के इर्दगिर्द एकजुट होने के लिए विपक्षी दलों में बातचीत चल रही है। लंदन में इंडियन जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में उन्होंने कहा, मीडिया, संस्थागत ढांचे, न्यायपालिका, संसद सभी पर हमले हो रहे हैं और हमें सामान्य तरीके से लोगों के मुद्दे रखने में बहुत मुश्किल हो रही थी।

भाजपा चाहती है भारत खामोश रहे

उन्होंने कहा,भाजपा चाहती है कि भारत खामोश रहे, क्योंकि वे चाहते हैं कि जो भारत का है उसे ले सकें और अपने करीबी दोस्तों को दे सकें। यही विचार है, लोगों का ध्यान भटकाना और फिर भारत की संपत्ति को तीन, चार, पांच लोगों को सौंप देना। जब राहुल से पूछा गया कि क्या मीडिया को चुप कराना नया ट्रेंड है? इस पर उन्होंने कहा, यह भारतीय संस्थानों पर पूरी तरह से हमला है, जो आधुनिक भारत में पहले कभी नहीं देखा गया है।

जम्मू कश्मीर: सुनियोजित मुठभेड़ में तीन लोगों की हत्या का मामला

कैप्टन का कोर्ट मार्शल, उम्र कैद की सज़ा की सिफ़ारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। थलसेना की एक अदालत ने जुलाई 2020 में दक्षिण कश्मीर के अमशीपोरा में एक सुनियोजित मुठभेड़ के दौरान तीन लोगों की हत्या कर दिए जाने के सिलसिले में एक कैप्टन के लिए उम्र कैद की सजा की सिफारिश की है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि सेना की अदालत ने साल भर से भी कम समय में 'कोर्ट मार्शल' की कार्यवाही पूरी की है। अधिकारियों ने बताया कि एक 'कोर्ट ऑफ इनक्वायरी' और 'साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया' में यह पाया गया कि सैनिकों ने सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफ्सपा) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उल्लंघन किया, जिसके बाद कैप्टन भूपेंद्र सिंह का कोर्ट मार्शल किया गया। उम्र कैद की सजा की पुष्टि सेना के उच्चतर प्राधिकारों द्वारा की जानी बाकी है। सेना के सूत्रों ने बताया कि इस तरह के विषयों के लिए प्रक्रिया अभी जारी है।

यह था मामला

जम्मू क्षेत्र के राजौरी जिला निवासी तीन लोगों-इम्तियाज अहमद, अबरार अहमद और मोहम्मद इबरार-को आतंकवादी' बताते हुए 18 जुलाई 2020 को शोपियां जिले के दूर-दराज के एक गांव में उनकी हत्या कर दी गई थी। इन हत्याओं को लेकर सोशल मीडिया पर संदेह जताया गया, जिसके शीघ्र बाद सेना ने एक कोर्ट ऑफ इनक्वायरी गठित की।

2020 में पूरी हुई साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया

कोर्ट ऑफ इनक्वायरी के बाद साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया दिसंबर 2020 के अंतिम सप्ताह में पूरी हुई थी। सेना ने एक बयान जारी कर कहा था कि साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है और आगे की कार्यवाही के लिए कानूनी सलाहकारों के साथ परामर्श कर संबद्ध अधिकारी इसकी पड़ताल कर रहे हैं। सेना ने कहा था, सेना अभियानों के लिए नैतिक आचरण के प्रति प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने कहा कि अफ्सपा के तहत प्रदत्त शक्तियों का उल्लंघन करने और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने को लेकर कोर्ट मार्शल की कार्यवाही शुरू की गई थी।

संकट में है परिवार

अबरार अहमद के पिता युसूफ ने राजौरी से पीटीआई-भाषा को बताया कि उनके बेटे की हत्या के बाद परिवार संकट में है। सरकार ने जो पांच लाख रुपए का मुआवजा दिया था वह मुकदमा लड़ने में खर्च हो गया। अब अबरार का बेटा भी बड़ा हो गया है, लेकिन परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का सरकार का वादा अब भी लंबित है।

राहुल को नोटिस मामले में भाजपा सांसद तलब

नई दिल्ली। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने 10 मार्च को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को कांग्रेस सदस्य राहुल गांधी के खिलाफ उनके विशेषाधिकार हनन नोटिस पर सुनवाई के लिए बुलाया है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, दुबे को 10 मार्च को समिति के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना है। राहुल गांधी ने 15 फरवरी को अपना जवाब भेजा था। बजट सत्र के पहले भाग में राहुल गांधी के भाषण के बाद दुबे और जोशी ने उनके खिलाफ नोटिस दिया था। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग-अडाणी मुद्दे पर टिप्पणी की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी जानकारी

बाघों की मौत पर केंद्र से किया जवाब तलब

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह देश में बाघों की कथित मौत के बारे में उसे जानकारी उपलब्ध कराए। न्यायाधीश के. एम. जोसेफ और न्यायाधीश बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने बाघों की मौत के बारे में समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लेते हुए यह जानकारी तलब की। शीर्ष अदालत अधिवक्ता अनुपम त्रिपाठी की ओर से 2017 में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें लुप्तप्राय बाघों को बचाने की मांग की गई थी। पीठ ने कहा, यद्यपि याचिकाकर्ता मौजूद नहीं हैं, प्रतिवादी भारत में बाघों की कथित मौत के बारे में पता लगाएंगे। मामले को तीन सप्ताह के बाद सूचीबद्ध करें।

इनको जारी किए नोटिस

शीर्ष अदालत ने याचिका पर पर्यावरण मंत्रालय, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को नोटिस जारी किए थे। याचिका में कहा गया था कि बाघ या तो स्थानीय लोगों या अधिकारियों द्वारा जहर देकर, वन रक्षकों द्वारा गोली मारकर या अवैध शिकार करके मारे जा रहे हैं।

2012 के बाद 1,059 बाघों की मौत

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के अनुसार, भारत में 2012 के बाद से 1,059 बाघों की मौत हुई है, जिसमें सबसे अधिक 270 मौतें मध्य प्रदेश में दर्ज की गई हैं। केंद्र ने 27 जनवरी को शीर्ष अदालत को अवगत कराया था कि वर्ष 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 53 बाघ अभयारण्यों में 2,967 बाघ हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ को बताया था कि बाघों के संरक्षण और उनकी आबादी बढ़ाने के लिए काफी काम किया गया है।

भाजपा विधायक के बेटे को 40 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा...

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में लोकायुक्त अधिकारियों ने भाजपा के विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को 40 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़े जाने के बाद की गई छापेमारी में विधायक के पुत्र के घर से छह करोड़ रुपए से अधिक की बेहिसाब नकदी बरामद की। बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के मुख्य लेखा अधिकारी प्रशांत को गुरुवार शाम को कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड कार्यालय में एक ठेकेदार से कथित तौर पर 40 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था। लोकायुक्त अधिकारियों की एक टीम ने रिश्वत लेते हुए पकड़ने के कुछ ही घंटों के भीतर प्रशांत के घर पर छापा मारा और बेहिसाब नकदी बरामद की। दावणगेरे जिले के चन्नागिरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विरुपक्षप्पा केएसडीएल के अध्यक्ष हैं और प्रशांत कथित रूप से अपने पिता की ओर से रिश्वत की 'पहली किस्त' ले रहा था।

समाचार पत्र हिलव्यू समाचार के स्वामित्व एवं अन्य विषयों में सम्बन्धित विवरण

घोषणा (फार्म 4)

1.	प्रकाशन स्थल	- जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	- साप्ताहिक
3.	मुद्रक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	- शालिनी श्रीवास्तव - हाँ - प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004
4.	प्रकाशक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	- शालिनी श्रीवास्तव - हाँ - प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004
5.	संपादक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	- शालिनी श्रीवास्तव - हाँ - प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004
6.	स्वामी या उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	-

मैं शालिनी श्रीवास्तव एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

जयपुर
07 मार्च, 2023

हस्ताक्षर
शालिनी श्रीवास्तव
प्रकाशक

कांग्रेस ने भाजपा के गढ़ में दर्ज की है जीत

महाराष्ट्र विधानसभा उपचुनाव भाजपा और एमवीए के लिए सबक

एजेंसी

मुंबई। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र के पुणे जिले में दो विधानसभा सीट के उपचुनावों के नतीजे सत्तारूढ़ भाजपा को आत्मावलोकन करने और महाविकास आघाडी (एमवीए) को बेहतर चुनाव परिणामों के लिए एकजुट होने के सबक देते हैं। पुणे जिले में क्रमशः कस्बा पेठ और चिंचवड सीट पर 26 फरवरी को उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी थी। उपचुनाव परिणामों में कस्बा सीट पर एमवीए के घटक दल कांग्रेस ने जीत दर्ज की। कांग्रेस के उम्मीदवार रवींद्र धंगेकर ने भाजपा के हेमंत रासने को इस सीट पर हराया। इस सीट पर 1995 से भाजपा का कब्जा था। वहीं, दिवंगत विधायक लक्ष्मण जगताप की पत्नी एवं भाजपा उम्मीदवार अश्विनी जगताप ने चिंचवड सीट पर जीत दर्ज की।

एमवीए को एकजुट होने को प्रेरित किया

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रत्नाकर महाजन ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि कस्बा पेठ उपचुनाव के नतीजे ने एमवीए को एकजुट रहने के लिए प्रेरित किया है, जिसमें कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) शामिल हैं। उपचुनाव के नतीजे स्थानीय और राज्य के मुद्दों पर जनता का फैसला है। इसके अधिक अर्थ निकालने की आवश्यकता नहीं है। इससे यह भी प्रदर्शित हुआ है कि आम मतदाता महंगाई और बेरोजगारी जैसे समकालिक मुद्दों को लेकर चिंतित हैं, जिसका उन्हें अपने दैनिक जीवन में सामना करना पड़ता है। यह एक गलत धारणा है कि कस्बा ब्राह्मण बहुल विधानसभा सीट है। उन्होंने कहा कि 13 प्रतिशत मतदाता इस समुदाय के हैं, जबकि 60 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं।

चिंचवाड़ में सहानुभूति लहर से जीती भाजपा

महाजन ने चिंचवड सीट के बारे में कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र में बाहरी और स्थानीय लोगों की मिलीजुली आबादी है क्योंकि यह एक औद्योगिक इलाका है। भाजपा के दिवंगत विधायक लक्ष्मण जगताप एक स्थानीय नेता थे और उनका लोगों से मजबूत जुड़ाव था। उन्होंने कहा कि चिंचवड में अश्विनी जगताप के लिए सहानुभूति की लहर ने काम किया, लेकिन कस्बा में ऐसा नहीं हुआ। वहां पुणे के मौजूदा सांसद गिरिश बापट ने गंभीर रूप से बीमार रहने के बावजूद अपनी पार्टी के लिए प्रचार किया और मतदान किया।

इरोड पूर्वी: अन्नाद्रमुक का मत प्रतिशत घटा

इरोड (तमिलनाडु)। इरोड विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में अन्नाद्रमुक को करारी हार मिली है, लेकिन उसके लिए गंभीर चिंता का विषय क्षेत्र में पार्टी के मत प्रतिशत में कमी आना है। राज्य में 2021 में हुए विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक के सहयोगी दल के उम्मीदवार को सीट पर 38.41 प्रतिशत वोट मिले थे जो इस उपचुनाव में 12.66 प्रतिशत घटकर 25.75 प्रतिशत रह गया है। इरोड जिले को अन्नाद्रमुक का गढ़ माना जाता है और 2021 विधानसभा चुनाव में जिले की आठ विधानसभा सीटों में से अन्नाद्रमुक को चार सीटें.... भवानी, भवानीसागर, गोबीचेट्टीपलयाम और पेरूंदुराई मिली थीं। सत्तारूढ़ द्रमुक नीत सेक्यूलर प्रोग्रेसिव एलायंस (एसपीए) ने गुरुवार को घोषित चुनाव परिणाम के अनुसार इरोड पूर्वी विधानसभा सीट पर भारी अंतर से जीत दर्ज की है। उसने के. पलानीस्वामी नीत अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार को हराया है।

एक नज़र

67 हजार वर्गमीटर में बना है, 70 हजार स्टूडेंट्स एक साथ कर सकेंगे तैयारी

प्रदेश का पहला 'हब' कोचिंग देने को तैयार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश का पहला कोचिंग हब बनकर लगभग तैयार हो चुका है। कोचिंग हब राजधानी में प्रताप नगर के सेक्टर 16 में बन रहा है। 67 हजार वर्ग मीटर में बन रहे कोचिंग हब में 70 हजार स्टूडेंट्स एक साथ कोचिंग ले सकेंगे। कोचिंग हब का निर्माण आवासन मंडल की ओर से किया गया है। प्रतापनगर का ये कोचिंग हब राजस्थान का सबसे बड़ा कोचिंग हब है। हब का निर्माण दो फेज में होगा। इसमें प्रथम फेज बनकर तैयार है। 67 हजार वर्ग मीटर के क्षेत्र में 30 प्रतिशत हिस्से में बना हब बना है और 70 प्रतिशत हिस्सा खुला रखा गया है। हब में वेलनेस सेंटर, सेंट्रल लाइब्रेरी ऑडिटोरियम भी बनाया गया है। छात्रों के लिए यहां हॉस्टल, गेस्ट हाउस और स्टूडियो अपार्टमेंट भी बनाए गए हैं। 7-7 मंजिल के कुल 5 टावर बनाए गए हैं। 6 महीने में हो जाएगा विधिवत शुरुआत आवासन मंडल के कमिश्नर पवन अरोड़ा ने बताया कि कोचिंग हब का 70 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका हैं। और अलॉटमेंट शुरू हो गए हैं। आगामी 6 महीने में विधिवत रूप से कोचिंग हब शुरू हो जाएगा।

दस घंटे में मर्डर का खुलासा

प्रेम प्रसंग के चक्कर में की थी दुर्गेश की निर्मम हत्या

हिलव्यू समाचार

झालावाड़। झालावाड़ के सुनेल थाना क्षेत्र के हड़मतिया हिंदू सिंह गांव में शुक्रवार को 25 वर्षीय युवक दुर्गेश मेघवाल के ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने दस घंटे में खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग के कारण दुर्गेश मेघवाल की बर्बरतापूर्ण हत्या कर दी गई। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि दुर्गेश मेघवाल की पत्नी के साथ गांव के ही अर्जुन लुहार का प्रेम प्रसंग चल रहा था। दुर्गेश को रास्ते से हटाने के लिए अर्जुन ने अपने दोस्तों के साथ उसकी हत्या की साजिश रची। इसके तहत अर्जुन लुहार अपने तीन दोस्तों के साथ दुर्गेश मेघवाल को गांव के प्राथमिक स्कूल के पुराने भवन में ले गया। वहां सभी ने शराब का सेवन किया। जब दुर्गेश मेघवाल नशे की हालत में था तभी चारों आरोपियों ने उसके सिर पर ईंट व पत्थरों से वार किए। इसके बाद आरोपियों ने दुर्गेश के साथ जमकर बर्बरता की, जिसमें उसकी मौत हो गई। आरोपी दुर्गेश के शव को वहीं छोड़कर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने अर्जुन लुहार (22) पुत्र तूफान समेत बलवंत सिंह (21) पुत्र उम्मेद सिंह, दुर्गेश सिंह (25) पुत्र चौन सिंह निवासी हनोतिया रायमल एवं प्रेम सिंह (25) पुत्र पर्वत सिंह निवासी हनोतिया हिंदू सिंह थाना सुनेल को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जाट महाकुंभ में सामने आई सियासी ताकत

पूनियां-डोटासरा मंच पर उठी जाट सीएम की मांग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित जाट महाकुंभ के मंच से सियासी ताकत दिखाने और राजनीतिक पदों को लेकर मांग उठाई गई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की मौजूदगी में जाट समाज का मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठाई गई। कांग्रेस के नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी ने महासम्मेलन में कहा कि जाट ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए। जाट का बेटा ही मुख्यमंत्री होना चाहिए। राजस्थान जाट महासभा के प्रमुख राजा राम मील ने राज्य में जातीय आधार पर जनगणना की मांग करते हुए कहा कि राजनीति में जाट समाज के नेताओं की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। केंद्र में दो मंत्री हैं, लेकिन दोनों राज्य मंत्री हैं। सरकार गलत तरीके से हमारी ताकत का आकलन कर रही है। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में जाट समुदाय की आबादी 22 प्रतिशत और ओबीसी आबादी 55 प्रतिशत है। ऐसे में ओबीसी आरक्षण को राजस्थान में 21 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया जाना चाहिए।

दस साल पुराने ट्रैक्टर बंद किए तो होगा आंदोलन: टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत ने किसानों को केंद्र सरकार द्वारा 10 साल से अधिक पुराने ट्रैक्टरों पर प्रतिबंध लगाने की नीति के विरोध में अगले आंदोलन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान तैयार रहें। एक आंदोलन देश में फिर करना पड़ेगा और उसके लिए भी तैयारी रखना क्योंकि किसानों का दस साल पुराना ट्रैक्टर बंद होगा। राजस्थान में समाज के लोग ही उस मोर्चे को संभालने का काम करेंगे और वो मोर्चा किसानों का भी होगा और समाज का भी होगा। सरकार कोई भी हो, चाहे वो राज्य की सरकार हो या केंद्र की सरकार हो हम किसी पार्टी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन अगर सरकारों की नीतियां गलत होंगी तो फिर आंदोलन होगा। जाट महाकुंभ में कांग्रेस और भाजपा के जाट नेताओं ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा सांसद सुमेधानंद, दुष्यंत सिंह, राजस्थान मंत्रि परिषद के मंत्रियों, भाजपा और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सहित किसान नेताओं और पड़ोसी राज्यों से आए जाट नेताओं ने महाकुंभ में मंच साझा किया और समाज के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहीं बीजेपी नेताओं की मौजूदगी में अग्निवीर योजना को का विरोध किया गया है। जाट नेताओं ने अग्निवीर योजना को समाज के खिलाफ बताया।

डोटासरा बोले... पहले समाज, फिर पार्टी

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पार्टी से पहले समाज का हूं। मेरी हैसियत समाज ने बनाई है। मेरी पार्टी की विचारधारा से ऊपर उठकर भी मैं पहले समाज का हूं। डोटासरा ने कहा कि हमारे समाज में यह कमी है कि हल्ला करते हैं कि हम मदद करेंगे, तब तक दुश्मन सक्रिय हो जाता है और हमारे समाज के व्यक्ति की मदद नहीं हो पाती है।

पूनियां बोले... लड़ाई लट्ठ की नहीं

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि किसान सरदारों से निवेदन करना चाह रहा हूं, थोड़ा समय की नजाकत देखिए यह लड़ाई लट्ठ की नहीं है, यह लड़ाई बुद्धि कौशल की है, हम किसी से कम नहीं, न परिश्रम में, ना खेती में, ना जज्बे में, ना देशभक्ति में। पूनियां ने कहा कि वे राजनीति का व्यक्ति है, लेकिन मंच से सियासत की बात नहीं करूंगा। मेरी जिंदगी कुर्बान हो जाएगी, लेकिन मैं आपको संकल्प और भरोसा देता हूं कि मेरी कलम और वाणी चलेगी तो किसान कौम के उत्थान और कल्याण के लिए चलेगी।

राजे का जवाब... सालासर में शक्ति प्रदर्शन नहीं, ये भक्ति और दर्शन है

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि उन्हें हर साल जन्मदिवस पर प्रदेशवासी भारी संख्या में शुभकामनाएं देने आते हैं। मीडिया द्वारा इसे शक्ति प्रदर्शन के रूप में प्रचारित करना सही नहीं है और उन्हें तो शक्ति प्रदर्शन की आवश्यकता भी नहीं है। सही मायने में तो ये शक्ति प्रदर्शन नहीं, भक्ति और दर्शन है। ऐसा भक्ति दर्शन,जिसमें उन्हें भगवान के साथ-साथ प्रदेशवासियों के दर्शन का अवसर भी मिलता है। पिछले 3 सालों से मेरे जन्मदिन के मौके पर भक्ति दर्शन में पूरे राजस्थान से पार्टी के लोग शामिल होने के लिए आते हैं। इस बार होली होने के चलते कार्यक्रम सालासर में 4 मार्च को किया गया। राजे ने कहा कि हम कितनी बार शक्ति प्रदर्शन करेंगे। वहीं सतीश पूनियां के पोस्टरों में राजे की फोटो नहीं होने की बात पर राजे ने कहा कि यह उनका विषय है। राजे ने कहा कि हम 36 की 36 कौमों और सभी मजहबों को साथ लेकर चलने में विश्वास करते हैं और खुश हैं कि उनके जन्म दिवस पर उन सबी का साथ और आशीर्वाद मिला।

राजे ने खुद को बताया संगठन का सिपाही

शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री राजे का जन्मदिन मनाने हजारों की तादाद में समर्थक सालासर धाम पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने भाजपा में अपने विरोधियों को जवाब देते हुए कहा कि संगठन की सिपाही के रूप में मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के नेतृत्व में विचारधारा की मशाल लेकर चल रही हूं। इस मौके पर राजे ने अपने हजारों समर्थकों के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। राजे की सभा के लिए लगाए गए बैनर में भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां की फोटो भी नजर आई।

महिलाओं को गहलोत सरकार का तोहफा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रोडवेज की बसों में फ्री यात्रा

एक अप्रैल से किराये में भी 50% की छूट

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (आठ मार्च, 2023) पर राजस्थान में महिलाएं एवं बालिकाएं रोडवेज की बसों में निशुल्क सफर कर सकेंगी। वहीं, राज्य में रोडवेज की साधारण बसों के किराए में महिलाओं को मिलने वाली छूट को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह छूट राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में रहेगी। प्रस्ताव के अनुसार, यह सुविधा राजस्थान की सीमा में राजस्थान रोडवेज की समस्त साधारण एवं द्रुतगामी बसों में मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य में लगभग 8.50 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं के बसों में यात्रा करने का अनुमान है। इस पर लगभग 7.50 करोड़ का वित्तीय भार अनुमानित है। वहीं, एक अन्य

फैसले में मुख्यमंत्री गहलोत ने महिलाओं को आरएसआरटीसी की साधारण बसों में राज्य की सीमा में किराए की छूट में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राजस्थान रोडवेज की साधारण बसों में छूट 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत की गई है। यह छूट एक अप्रैल, 2023 से लागू की जाएगी। साथ ही, साधारण बसों की अतिरिक्त शेष श्रेणी की बसों में महिलाओं को 30% छूट यथावत रहेगी। इस निर्णय से राज्य सरकार पर लगभग 3.50 करोड़ का अतिरिक्त वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

पर्यटन विभाग दे रहा धार्मिक आस्था को बढ़ावा: मीणा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा शनिवार को पुष्कर प्रवास पर रहे। इस दौरान मीणा ने कहा कि पर्यटन विभाग धार्मिक आस्था को बढ़ावा दे रहा है, विभाग के अंतर्गत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सरकार ने पुष्कर के विकास जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए 500 करोड़ रुपए की लागत के निर्माण कार्यों का अनुमोदन कर दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण क्षेत्र में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयास किए हैं। जिससे राजस्थान में देशी-विदेशी पर्यटकों की आवक में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि पुष्कर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। पर्यटन मंत्री मुरारीलाल मीणा ने राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री धर्मेन्द्र राठौड़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि राठौड़ ने प्रदेश के पर्यटन को पंख लगाने का काम किया है। उन्होंने राठौड़ के कार्यों को गिनाते हुए कहा कि उनकी तरफ से चलाई गई शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स से पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की लोक संस्कृति, लोकनृत्य, लोकगीत एवं कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए मार्च के अंतिम सप्ताह में राज्य भर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वन क्षेत्र में जैव विविधता

सरिस्का टाइगर रिजर्व में अब बाघों के साथ रीछों के भी कर सकेंगे 'दीदार'

a हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व पिछले डेढ़ दशकों में बाघों की आबादी को सफलतापूर्वक बढ़ाने के बाद अब अपने वन क्षेत्र में जैव विविधता को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। इस दिशा में टाइगर रिजर्व ने आने वाले दिनों में स्लॉथ बीयर (रीछ, भालू की प्रजाति) को वन क्षेत्र में शामिल करने क निर्णय लिया है। रिजर्व के अफसरों ने बताया कि अगले कुछ दिनों में सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान में जालोर जिले के सुंधा माता वन क्षेत्र से लाए गए दो जोड़े रीछों का नया घर होगा। सरिस्का बाघ परियोजना के क्षेत्रीय निदेशक रूप नारायण मीणा ने बताया कि हमें दो जोड़े स्लॉथ भालुओं (रीछ) को सारिस्का में स्थानांतरित करने की अनुमति मिल गई है। उनके पुनर्वास में मदद के लिए टीम बनाई गई है। उन्होंने कहा कि भालू मुख्य रूप से जालोर में सुंधा माता वन क्षेत्र और माउंट आबू में मिलते हैं। उन्होंने कहा कि रिजर्व की जैव विविधता को बढ़ाने के लिए स्लॉथ भालुओं के जोड़े को सरिस्का में स्थानांतरित किया जा रहा है। स्लॉथ भालू (रीछ) पश्चिमी भारत के अर्ध-शुष्क क्षेत्र की पहाड़ियों और पहाड़ों में पाए जाने वाले भालू की एक प्रमुख प्रजाति है। इसे 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' द्वारा संवेदनशील (जो भविष्य में लुप्त हो सकते हैं) श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है।

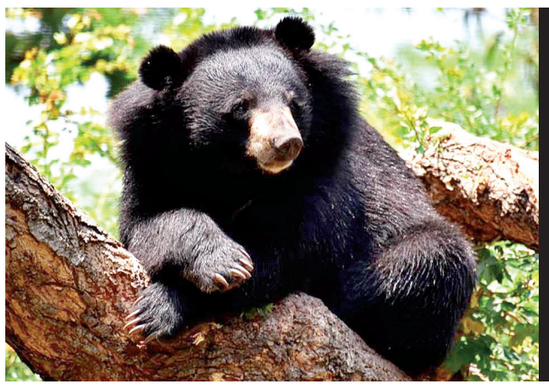

पहले भी थे भालू

अलवर के सरिस्का वन क्षेत्र में पहले भी भालू रह चुके हैं। कई साल रहने के बाद कुछ वर्ष पूर्व भालू अचानक लापता हो गए। इसका अभी तक पता नहीं लग पाया। सरिस्का में पर्यटकों का काफी संख्या में आना रहता है जो बाघों को देख कर खुश होते हैं। अब जल्द ही उन्हें भालू की भी साइटिंग होने की संभावना है। भालूओं के आने के बाद सरिस्का में पर्यटन में बढ़ावा होने की संभावना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)